सुविचार

जो प्राणिमात्र के लिये अत्यन्त हितकर हो, मै इसी को सत्य कहता हूँ।

अज्ञात

दैनिक

रेवांचल टाइम्स

निष्पक्ष, निर्भीक एवं सत्य का प्रवर्तक

Revanchal Times
7509202320
@revanchal_times
revanchaljabalpur@gmail.com
revanchaltimes_

■ वर्ष 3 ■ अंक 89 ■ जबलपुर, गुरुवार 26 मार्च 2026 ■ पृष्ठ 8 ■ मूल्य, 01 रुपये ■ RNI. Reg. No MPHIN/2023/90965

उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों के लिए सिलेंडर बुकिंग का अलग प्रावधान नहीं: सरकार

नई दिल्ली। सरकार ने बुधवार को स्पष्ट किया कि उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों के लिए सिलेंडर रिफिल बुकिंग का कोई अलग प्रावधान नहीं किया गया है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने मीडिया में आई उन खबरों का खंडन किया है जिनमें कहा गया था कि शहरी क्षेत्रों में उज्ज्वला योजना के लाभार्थी 45 दिन बाद ही अगला एलपीजी सिलेंडर बुक करा सकेंगे, जबकि आम ग्राहकों के लिए यह सीमा 25 दिन की है। मंत्रालय द्वारा जारी स्पष्टीकरण में कहा गया है कि वर्तमान में एलपीजी रिफिल बुकिंग की सिर्फ दो समय सीमा है झ शहरी क्षेत्रों में 25 दिन बाद और ग्रामीण क्षेत्रों में 45 दिन बाद अगली रिफिल बुक कराई जा सकेगी। इसके अलावा किसी भी लाभार्थी के लिए कोई अलग प्रावधान नहीं है। सरकार ने लोगों से भ्रामक जानकारियों से बचने और घबराहट में आकर जल्दबाजी में बुकिंग न कराने की अपील की है। स्पष्टीकरण में कहा गया है कि देश में ह्लएलपीजी का पर्याप्त भंडार उपलब्ध हैह्व और चिंता का कोई कारण नहीं है। उल्लेखनीय है कि फरवरी तक ग्राहक सिलेंडर 21 दिन के अंतर पर अगला रिफिल बुक करा सकते थे लेकिन पश्चिम एशिया संकट के बीच आपूर्ति में आई बाधा को देखते हुए सरकार ने अब शहरी क्षेत्रों में रिफिल बुकिंग के लिए कम से कम 25 दिन और ग्रामीण क्षेत्रों में 45 दिन का समयांतराल निर्धारित किया है।

भारत में पेट्रोल-डीजल का कोई संकट नहीं सरकार ने कहा- अफवाहों पर ध्यान न दें

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और सोशल मीडिया पर फैल रही भ्रामक खबरों के बीच केन्द्र और राज्य संचालित तेल कंपनियों ने स्पष्ट किया है कि भारत में पेट्रोल और डीजल की कोई कमी नहीं है। पिछले 48 घंटों के दौरान पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति बाधित होने की अफवाहें तेजी से फैलीं, जिससे देश के कुछ हिस्सों में लोगों में चिंताएं बढ़ी और कुछ पेट्रोल पंपों पर भीड़ देखी गई। हालांकि अधिकारियों ने इन आशंकाओं को पूरी तरह निराधार बताया और कहा कि भू-राजनीतिक तनाव के बावजूद भारत की ईंधन सुरक्षा मजबूत बनी हुई है। एक विस्तृत परामर्श में भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) ने नागरिकों को आश्वस्त किया है कि देश में ईंधन का पर्याप्त भंडार मौजूद है और सभी आपूर्ति श्रृंखलाएं सामान्य रूप से काम कर रही हैं। कंपनी ने कहा कि पेट्रोल और डीजल की कमी की अफवाहें पूरी तरह गलत हैं और घबराने की कोई आवश्यकता नहीं है। बीपीसीएल ने कहा, ह्लपेट्रोल और डीजल की कमी को लेकर फैलाई जा रही खबरें पूरी तरह निराधार हैं। भारत में ईंधन का पर्याप्त भंडार है और आपूर्ति व्यवस्था सामान्य है। बीपीसीएल पूरी तरह संचालन में है और निर्बाध ईंधन आपूर्ति के लिए प्रतिबद्ध है। कृपया अफवाहों पर ध्यान न दें और केवल आधिकारिक स्रोतों पर ही भरोसा करें। कंपनी ने यह भी स्पष्ट किया कि देश में पेट्रोल और डीजल की कोई कमी नहीं है और भारत इन ईंधनों का शुद्ध निर्यातक है। कच्चे तेल, पेट्रोल, डीजल और विमानन ईंधन (एटीएफ) का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है और आपूर्ति श्रृंखला में किसी प्रकार की बाधा नहीं है। कंपनी ने बताया कि उसकी सभी रिफाइनरी, डिपो और पेट्रोल पंप पूरी क्षमता के साथ काम कर रहे हैं। नागरिकों से अपील की गई है कि वे घबराकर ईंधन की अनावश्यक खरीद न करें। इस बीच, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने भी कहा कि देश की सभी रिफाइनरी उच्च क्षमता पर चल रही हैं और कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त स्टॉक बनाए रखा गया है। मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने बताया कि देशभर में सभी खुदरा ईंधन आउटलेट सामान्य रूप से कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा, कुछ क्षेत्रों में अफवाहों के कारण घबराहट में खरीदारी देखी गई, जिससे पेट्रोल पंपों पर असामान्य भीड़ हुई।

वित्त मंत्री निर्मला बोलीं- राष्ट्र निर्माण लगातार होने वाली प्रक्रिया

ये रातोंरात नहीं होता, विपक्ष बैकों को गंभीर हालत में छोड़कर गया था

नई दिल्ली। लोकसभा में आज वित्त विधेयक 2026 पर चर्चा हुई। केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण ने विधेयक पेश किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण लगातार होने वाली प्रक्रिया है, यह रातोंरात नहीं होता है। उन्होंने विपक्ष पर टिप्पणी में कहा- कोविड संकट का भी भारतीय अर्थव्यवस्था पर सीमित असर पड़ा था। विपक्ष आज बातें कर रहा है, लेकिन ये डबल बैलेंस शीट छोड़कर गए थे। बैंकों को गंभीर हालत में छोड़ा था। आज जब हमारे बैंकों के हालात ठीक हैं, तो ये आलोचना कर रहे हैं। सीतारमण ने कहा कि इनके दौर में लगातार 22 महीने महंगाई डबल डिजिट में रही, जो कि एक रिकॉर्ड है। इनके लिए गए कर्ज का ब्याज आज

हम चुका रहे हैं। सुधार किसी मजबूरी के कारण नहीं, बल्कि स्पष्टता, प्रतिबद्धता और आत्मविश्वास के साथ दृढ़ विश्वास से किए जा रहे हैं। पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत 'सुधार एक्सप्रेस' पर सवार है।

सीतारमण बोलीं- विपक्ष केवल सवाल करता है, जबाव सुनने मौजूद नहीं रहता : वित्त मंत्री ने विधेयक के पेश किए जाने के दौरान विपक्ष को सदन में नहीं मौजूद रहने पर फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि जब विपक्ष सवाल करता है तो उसे जबाव सुनने के लिए सदन में मौजूद रहना चाहिए। दरअसल, सदन में इस विधेयक का उद्देश्य आने वाले वित्त वर्ष के लिए सरकार के वित्तीय प्रस्तावों को लागू करना है। चर्चा के बाद इसे पारित करने के लिए पेश किए जाने की उम्मीद है। वित्त मंत्री के दिवाला और दिवालियापन संहिता (संशोधन) विधेयक, 2025 पेश किए जाने की उम्मीद है। इस विधेयक का उद्देश्य दिवाला और दिवालियापन संहिता, 2016 में और संशोधन करना है।

ईरान ने पाकिस्तानी जहाज को होर्मुज पार करने से रोका:कहा- उनके पास परमिशन नहीं

अब तक भारत के 5 जहाजों ने होर्मुज पार किया

तेल अवीव। अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का 26वां दिन है। ईरान के इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने पाकिस्तान के कराची जा रहे एक जहाज को होर्मुज स्ट्रेट पार करने से रोक दिया। IRGC के नेवी कमांडर अलीरेजा तंगसीरी ने कहा कि 'सेलेन' नाम के इस जहाज के पास होर्मुज पार करने इजाजत नहीं थी। उन्होंने कहा कि इस रास्ते से गुजरने वाले हर जहाज को पहले ईरानी अधिकारियों से इजाजत लेनी होगी। यह सारा मामला तब हुआ जब पाकिस्तान इस जंग में मध्यस्थता की कोशिश कर रहा है। पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ ने कल ही ईरानी राष्ट्रपति मसूद पजशिकयान से फोन पर बात भी की थी। वहीं, जंग की शुरूआत से अब तक भारत के 5 एलपीजी और तेल टैंकर होर्मुज से गुजर चुके हैं। इनमें जग वसंत, पाइन गैस, शिवालिक, नंदा देवी और जग लाडकी शामिल है ।

दिल्ली में दर्दनाक सडक हादसा, राजस्थान से आ रही बस आउट ऑफ कंट्रोल, 2 की मौत, 23 घायल

दिल्ली। दिल्ली के करोल बाग इलाके में मंगलवार देर रात एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। झंडेवालान मंदिर के पास यात्रियों से भरी एक स्लीपर बस अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई। इस हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि करीब 23 यात्री घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और लोगों की चीख-पुकार गूंजने लगी।

बस में फंसे यात्रियों को ऐसे निकाला गया : प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हादसे के बाद स्थानीय लोग तुरंत मदद के लिए आगे आए। पुलिस और आसपास के लोगों की मदद से बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकाला गया। बताया जा रहा है कि करीब 30 से 35 यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। कई लोग गंभीर रूप से घायल

थे, जिन्हें तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। जानकारी के अनुसार, यह बस राजस्थान से दिल्ली होते हुए नोएडा जा रही थी। रात करीब 1 बजे के आसपास जब बस झंडेवालान मंदिर के पास पहुंची, तभी चालक ने नियंत्रण खो दिया और बस पलट गई। सुबह सामने आई तस्वीरों में बस पूरी तरह क्षतिग्रस्त दिखाई दी और आसपास यात्रियों का सामान बिखरा हुआ नजर आया।

दमकल और पुलिस ने संभाला मोर्चा : दिल्ली अग्निशमन सेवा के अधिकारी ने बताया कि हादसे की सूचना रात 1 बजकर 10 मिनट पर मिली थी। इसके बाद तुरंत दो दमकल गाड़ियों को मौके पर भेजा गया और राहत-बचाव कार्य शुरू किया गया। पुलिस ने भी मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया और यातायात को कुछ समय बाद सामान्य कर दिया।

मृतकों और ड्राइवर की जानकारी : मृतकों में एक की पहचान शहबाज आलम (30) के रूप में हुई है, जो उत्तर प्रदेश के बिजनौर के रहने वाले थे। दूसरे मृतक की पहचान अभी नहीं हो पाई है और उसकी उम्र करीब 25-26 साल बताई जा रही है।

सुप्रीम कोर्ट बोला- पब्लिक इवेंट्स में वंदेमातरम अनिवार्य नहीं

कहा- जब इसके लिए सजा होने लगेगी, तब विचार करेंगे; याचिका खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' गाने को लेकर गृह मंत्रालय के सर्कुलर के खिलाफ दायर याचिका कर दी। कोर्ट ने कहा कि पब्लिक प्लेस और सार्वजनिक कार्यक्रमों के लिए जारी यह निर्देश अनिवार्य नहीं है। सर्कुलर को चुनौती देने वाली याचिका समय से पहले दायर की गई है। मामला सीजेआई जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की बेंच में था। बेंच ने कहा कि गृह मंत्रालय की एडवाइजरी में वंदेमातरम न गाने पर किसी भी तरह की सजा का प्रावधान नहीं है।

बेंच ने कहा- ये दिशानिर्देश केवल एक प्रोटोकॉल हैं और इनका पालन करना अनिवार्य नहीं है। जब याचिकाकर्ता के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई होगी, या फिर उसके लिए गाना अनिवार्य किया जाएगा, तब हम इन सब बातों पर ध्यान देंगे।

कांग्रेस को खाली करना होगा 24 अकबर रोड स्थित कार्यालय, सरकार ने भेजा नोटिस

नई दिल्ली। सरकार ने कांग्रेस पार्टी को उसके 24 अकबर रोड स्थित कार्यालय और पांच रायसीना रोड स्थित युवा कांग्रेस कार्यालय को खाली करने को कहा है। सूत्रों के अनुसार संपदा निदेशालय ने नोटिस भेजकर कांग्रेस से ये दोनों कार्यालय 28 मार्च तक खाली करने को कहा है। कांग्रेस पार्टी ने पिछले वर्ष अपना मुख्यालय इंद्रा भवन में स्थानांतरित कर लिया था लेकिन वह 24 अकबर रोड़ पर अपना कार्यालय बनाए हुए है। नोटिस के संबंध में कांग्रेस के राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी ने

पत्रकारों से बातचीत में कहा कि यह नोटिस दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सरकार लोकतांत्रिक नहीं है। पार्टी इस मसले पर वैधानिक और राजनीतिक रूप से चर्चा कर आगे कदम उठायेगी। पार्टी सूत्रों के अनुसार कांग्रेस इस मसले पर अदालत का रुख अख्तियार करने की तैयारी कर रही है। गौरतलब है कि करीब 48 वर्षों से 24 अकबर रोड के बंगले में कांग्रेस का मुख्यालय है। इसी कार्यालय से कांग्रेस पार्टी के कई महत्वपूर्ण राजनीतिक निर्णय लिए गए।

एक किलोमीटर तक का क्षेत्र संक्रमित घोषित

बिलासपुर में बर्ड फ्लू की पुष्टि

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में कोनी स्थित शासकीय कुक्कुट पालन केंद्र में बर्ड फ्लू (एवियन इन्फ्लुएंजा) की आज पुष्टि होने के बाद प्रशासन ने एहतियाती कदम तेज कर दिए हैं। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने प्रभावित क्षेत्र के एक किलोमीटर दायरे को ह्लइन्फेक्टेड जोनह्व तथा 10 किलोमीटर तक के क्षेत्र को ह्लनिगरानी क्षेत्रह्व घोषित किया है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, पशु चिकित्सा विभाग द्वारा भेजे गए सैंपलों की भोपाल स्थित प्रयोगशाला में जांच के बाद संक्रमण की पुष्टि हुई। रिपोर्ट प्राप्त होते ही जिला प्रशासन, पशुपालन और स्वास्थ्य विभाग ने संयुक्त रूप से नियंत्रण एवं रोकथाम की कार्रवाई शुरू कर दी है।

निगरानी क्षेत्र में पोल्ट्री से जुड़े सभी

उत्पादों की खरीद-बिक्री एवं परिवहन पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया गया है। साथ ही पुलिस, वन एवं परिवहन विभाग को विभिन्न स्थानों पर चेकपोस्ट स्थापित कर मुर्गियों और अन्य पक्षियों की आवाजाही पर सख्त निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं। संक्रमित क्षेत्र में रामकृष्ण परमहंस नगर और विद्यासागर नगर वार्ड को शामिल किया गया है, जबकि आसपास के कई क्षेत्रों को निगरानी क्षेत्र में रखा गया है। इन इलाकों में स्वास्थ्य एवं पशुपालन विभाग की टीमें लगातार निगरानी और आवश्यक कार्रवाई में जुटी हुई हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि समस्त कार्रवाई ह्यएवियन इन्फ्लुएंजा एक्शन प्लान 2011ह्न के तहत की जा रही है। संबंधित अधिकारियों को स्थिति पर सतत नजर बनाए रखने और नियमित रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने आम नागरिकों से अफवाहों से बचने तथा प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की है। साथ ही नियमों के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है।

माफिया अतीक अहमद की करोड़ों रुपए की जमीन पर अवैध प्लाटिंग को लेकर चला बुल्डोजर

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में योगी सरकार नें ऑपरेशन मफिया चला कर अतीक अहमद के आर्थिक सम्राज्य पर चोट की थी जिसमे कसारी मसारी की अतीक की जमीन की खरीद फरोख्त और रजिस्ट्री पर रोक भी लगाई थी लेकिन समय के साथ खेल बदलने लगा, अब अतीक अहमद का करीबी शकील और उसका भाई वकील अहमद इन्ही जमीनो पर अवैध प्लाटिंग करके रजिस्ट्री कर रहें हैं। सूत्रों के मुताबिक जिस जमीन की रजिस्ट्री पर रोक थी उन्ही जमीनो से ये लोग लाभ कमा रहें हैं, प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) नें इस 5 बीघा जमीन पर की जा रही अवैध प्लाटिंग को बुलडोजर से ध्वस्त किया हैं पीडीए अब शकील

और इसके साथी पर मुकदमा भी दर्ज कराएगी। गौरतलब है की एसटीएफ की टीम नें अतीक की जमीनो का स्थलीए निरीक्षण किया था और इन जमीनो को खरीदने बेचने पर रोक लगाई थी लेकिन ये लोग अतीक की ही इन जमीनो से बिजनेस करने लगे, सूत्रों के मुताबिक अतीक के परिवार के लोगो की मदद मे शकील आगे रहा हैं हाल ही मे इसके घर की शादी मे अतीक का बेटा अबाँन शामिल हुआ था जिसकी रील भी वायरल हुई थी। उधर राजस्व विभाग भी इस मामले की जांच कर रहा हैं, राजस्व विभाग की टीम को कई पुख्ता सुबूत मिले हैं जिस पर जल्द एक्शन होगा इसी तरह प्रयागराज विकास प्राधिकारण नें पीपल गांव में भी 10 बीघा जमीन पर की जा रही अवैध प्लाटिंग को ध्वस्त किया, इस जगह पर वाजिद अली उर्फ गुड्डू भूसा नें बिना पीडीए के ले आउट पास कराये प्लाटिंग की थी.. पीडीए के सचिव अजीत कुमार सिंह नें बताया की जांच के बाद अवैध प्लाटिंग पर कार्यवाही की गई हैं कई अन्य जगह भी चिन्हित की गई हैं जल्द ही उस पर भी कार्यवाही होंगी।

सारे अमेरिकी बेस को करो बंद... ईरान तो बड़ा खिलाड़ी निकला, वार्ता के लिए ट्रंप के सामने रख दी कड़ी शर्त

नई दिल्ली। डोनाल्ड ट्रंप द्वारा वार्ता पुनः शुरू करने के प्रस्ताव के जवाब में, ईरान ने कथित तौर पर कई व्यापक मांगें रखी हैं, जिनमें खाड़ी में अमेरिकी सैन्य अड्डों को बंद करना, प्रतिबंधों को समाप्त करना और एक महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग पर नियंत्रण हासिल करना शामिल है। यह तब हुआ जब तेहरान ने सार्वजनिक रूप से वाशिंगटन के चल रही वाताओं के दावों को खारिज करते हुए कहा कि दोनों प्रतिद्वंद्वियों के बीच किसी समझौते की कोई संभावना नहीं है। वॉल स्ट्रीट जर्नल की एक रिपोर्ट के अनुसार, तेहरान ने स्पष्ट किया है कि युद्धविराम समझौते पर बातचीत फिर से शुरू करने की शर्तें अभी भी कठिन हैं, भले ही दोनों पक्षों के बीच अप्रत्यक्ष बातचीत शुरू हो रही हो। ईरानी प्रतिनिधियों ने खाड़ी में सभी अमेरिकी ठिकानों को बंद करने, युद्धकालीन नुकसान के लिए वित्तीय मुआवजा देने और हिज्बुल्लाह के खिलाफ इजराइल के अभियान को समाप्त करने की मांग की है। उन्होंने एक ऐसे ढांचे की भी मांग की है जो ईरान को होर्मुज

जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों से शुल्क वसूलने की अनुमति देगा, जो दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल पारगमन मार्गों में से एक है। मामले से परिचित लोगों ने बताया कि इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर ने देश के नेतृत्व में अपनी शक्ति मजबूत कर ली है और इन मांगों को आगे बढ़ा रहा है। एक अन्य प्रमुख शर्त में होर्मुज जलडमरूमध्य को नियंत्रित करने वाली एक नई व्यवस्था शामिल है जो प्रभावी रूप से इसे ईरानी नियंत्रण में ला देगी, साथ ही यह ठोस गारंटी भी कि शत्रुता फिर से शुरू नहीं होगी। ईरान ने संघर्ष को समाप्त करने के लिए किसी भी समझौते के हिस्से के रूप में सभी प्रतिबंधों को हटाने पर भी जोर दिया है। चैनल 12 के अनुसार, ईरान अपने बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम को पांच साल के लिए रोकने और यूरेनियम संवर्धन स्तर को कम करने पर विचार कर सकता है।

वह 60 प्रतिशत संवर्धित यूरेनियम के अपने भंडार पर भी चर्चा शुरू कर सकता है और शेष सेंट्रीफ्यूजों के अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी द्वारा निरीक्षण की अनुमति दे सकता है। रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि व्यापक समझौते के तहत ईरान हिज्बुल्लाह, हमास और इराकी मिलिशिया सहित क्षेत्रीय प्रॉक्सी समूहों को वित्तपोषण बंद करने पर भी सहमत हो सकता है। आधिकारिक रुख के दृढ़ रहने के बावजूद, इन स्थितियों को संभावित शुरूआती कदम के रूप में देखा जा रहा है।

मां रेवा पब्लिकेशन एंड प्रिंटर्स

जबलपुर शहर में सबसे कम दामों में

समाचार पत्र के A to Z कार्य का एकमात्र स्थान

प्रिंटिंग
जॉब वर्क
न्यूज पेपर
पीडीएफ

संपर्क करें 7415685293 9589490996 9340553112

68/1 लक्ष्मीपुर विवेकानंद वार्ड, मुस्कान प्लाजा के पीछे, एम आर 4 रोड, उखरी, जबलपुर (मप्र)

शासन प्रशासन पर संरक्षण का आरोप, मनमानी पर उतारू सरकारी तंत्र

अप डाउन पर नहीं लग रहा ब्रेक

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। मध्य प्रदेश के मंडला जिले में सरकारी व्यवस्था की जमीनी हकीकत लगातार सवालों के घेरे में है। हालात यह हैं कि जिन कर्मचारियों को गांवों में रहकर जनता को सेवाएं देना चाहिए, वही कर्मचारी मुख्यालय से नदारद होकर मनमानी कर रहे हैं। शिक्षक, पटवारी, एएनएम और महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता सहित कई विभागों के कर्मचारी मुख्यालय में रहने की अनिवार्यता को नजरअंदाज कर खुलेआम नियमों की धज्जियां उड़ा रहे हैं। इस गंभीर समस्या को लेकर समय-समय पर समाचार भी प्रकाशित हो रहे हैं, लेकिन शासन-प्रशासन की चुप्पी कई सवाल खड़े कर रही है।

जानकारी के अनुसार मंडला जिले की कई ग्राम पंचायतों में सरकारी कर्मचारी मुख्यालय में निवास नहीं कर रहे हैं, जिसके कारण ग्रामीण क्षेत्रों की व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित हो रही है। सबसे ज्यादा शिकायतें जनपद पंचायत नैनपुर क्षेत्र की ग्राम पंचायतों से सामने आ रही हैं, जहां शिक्षक, पटवारी और स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी सप्ताह में कभी-कभार ही दिखाई देते हैं। कई जगहों पर तो स्कूलों में शिक्षक देर से पहुंचते हैं या फिर छुट्टी के समय ही नजर आते हैं। इससे बच्चों की पढ़ाई बुरी तरह प्रभावित हो रही है और सरकारी शिक्षा व्यवस्था की साख पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। इसी तरह पटवारियों के मुख्यालय में नहीं रहने से राजस्व संबंधी कार्य भी ठप पड़ते नजर आ रहे हैं। जमीन संबंधी नामांतरण, सीमांकन और अन्य जरूरी कार्यों के लिए ग्रामीणों को बार-बार चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। कई ग्रामीणों का आरोप है कि पटवारी मुख्यालय में नहीं रहते और जरूरत पड़ने पर भी आसानी से उपलब्ध नहीं होते, जिससे लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्वास्थ्य विभाग की स्थिति भी कम चिंताजनक नहीं है। कई उपस्वास्थ्य केंद्रों में एएनएम और महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता मुख्यालय से दूर रहकर अपनी ड्यूटी निभा रही हैं। परिणामस्वरूप गर्भवती महिलाओं, बच्चों के टीकाकरण और प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं पर सीधा असर पड़ रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं पहले ही सीमित हैं, ऐसे में कर्मचारियों की अनुपस्थिति हालात को और गंभीर बना रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि अधिकारी और कर्मचारी मुख्यालय में निवास नहीं करेंगे तो ग्रामीणों को समय पर सेवाएं कैसे मिलेंगी। सरकारी नियमों में स्पष्ट प्रावधान है कि ग्रामीण क्षेत्रों में पदस्थ कर्मचारी अपने मुख्यालय में निवास करेंगे ताकि जनता को तुरंत सुविधा मिल सके, लेकिन मंडला जिले में इस नियम का खुलेआम उल्लंघन हो रहा है। वही ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि मुख्यालय में नहीं रहने वाले शिक्षक, पटवारी, एएनएम और अन्य कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही सभी विभागों को स्पष्ट निर्देश दिए जाएं कि वे अपने-अपने कर्मचारियों की उपस्थिति और निवास व्यवस्था की नियमित जांच करें। जनता की अपेक्षा है कि जिला प्रशासन इस गंभीर समस्या को हल्के में न लेते हुए तत्काल परिणामकारी कार्रवाई करे। यदि समय रहते सख्ती नहीं बरती गई तो ग्रामीण क्षेत्रों में सरकारी योजनाओं और सेवाओं का लाभ लोगों तक पहुंचना और भी मुश्किल हो जाएगा। ऐसे में अब सबकी नजर प्रशासन की कार्रवाई पर टिकी हुई है कि आखिर कब इस मनमानी पर लगाम लगती

जिला पंचायत में औचक निरीक्षण 11 अधिकारी–कर्मचारी अनुपस्थित

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री शाश्वत सिंह मीना ने बुधवार को जिला पंचायत की विभिन्न शाखाओं का औचक निरीक्षण किया। सुबह 10 बजे अचानक निरीक्षण से शाखाओं में हलचल देखी गई। निरीक्षण के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री मीना ने उपस्थिति पंजी मंगाकर कार्यालयीन समय 10 बजे तक अपने कर्तव्य पर उपस्थित अधिकारी–कर्मचारी की जानकारी ली। निरीक्षण में 11 अधिकारी–कर्मचारी कार्यालयीन समय पर अनुपस्थित मिले। मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री मीना ने अनुपस्थित पाए गए सभी अधिकारी–कर्मचारियों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किये हैं। श्री मीना ने कहा कि कार्यालयीन समय में अनुपस्थिति बर्दाश्त नहीं की जाएगी और भविष्य में भी ऐसे अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

कलेक्टर एवं एसपी ने कन्हारीकला आंगनवाड़ी केंद्र का किया निरीक्षण

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। जनपद पंचायत बिछिया के ग्राम कन्हारीकला स्थित नवनिर्मित पीएम जनमन आंगनवाड़ी केंद्र का कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा एवं पुलिस अधीक्षक श्री रजत सकलेचा ने संयुक्त रूप से निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने केंद्र में उपलब्ध सुविधाओं की विस्तृत समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री मिश्रा ने आंगनवाड़ी केंद्र की साफ–सफाई, बच्चों के बैठने की व्यवस्था तथा उपलब्ध संसाधनों का अवलोकन करते हुए आवश्यक सुधार के निर्देश दिए।

भुआ बिछिया में खाटू श्याम भजन संध्या का आयोजन

दैनिक रेवाँचल टाईम्स - मण्डला। बिछिया नगर के जनपद शॉपिंग कंपलेक्स वेयर हाउस में 29 मार्च 2026 दिन रविवार को बिछिया नगर मे द्वितीय वार्षिक खाटू श्याम भजन संध्या श्री श्याम प्रेमी मित्र मंडल बिछिया एवं समस्त श्याम प्रेमी द्वारा खाटू श्याम भजन संध्या दिव्य दरबार ज्योति दर्शन एवं इत्र वर्ष का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में छिंदवाड़ा जिले से शंकर राने अपनी 10 म्यूजिशियन सदस्यो की टीम के साथ-साथ गायक रूपाली जांघेला,शैफाली शाह, सुनील सत्यार्थी, आकाश नागवंशी एवं अन्य गायक कलाकारों द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी। जबलपुर नगर से मुरली अग्रवाल अपनी टीम के साथ बाबा का दिव्य दरबार एवं दिव्य ज्योति को लेकर आ रहे हैं। बाबा जी को छप्पन भोग लगाया जाएगा इत्र वर्षा, पुष्प वर्षा किया जाएगा। आयोजन समिति ने भजन संध्या कार्यक्रम में सपरिवार एवं मित्रों सहित पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की हैं कार्यक्रम समाप्ति के बाद प्रसाद वितरण किया जाएगा।

नक्खी माई माता दरबार में उमड़ी आस्था 748 ज्योति कलशों से जगमगाया बकौरी

दैनिक रेवांचल टाईम्स - मंडला। चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर बकौरी स्थित नक्खी माई माता दरबार में श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है। पहाड़ी पर विराजमान माता का यह पवित्र स्थल इन दिनों 748 ज्योति कलशों और हरे-भरे जवारों से आलोकित होकर भक्तों की आस्था का केंद्र बना हुआ है।

मंडला जिला मुख्यालय से लगभग 20 किलोमीटर दूर मंडला-निवास मार्ग पर स्थित यह प्राचीन मंदिर 17वीं शताब्दी से श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र रहा है। पाषाण प्रतिमा के रूप में विराजी नक्खी माई के दरबार में इस वर्ष विशेष उत्साह और भक्ति का वातावरण देखने को मिल रहा है। दूर-दराज के गांवों के साथ-साथ अन्य राज्यों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचकर माता के दर्शन कर रहे हैं। भक्त अजय झरिया के अनुसार, ह्लमाता की कृपा से गांव पर कभी कोई बड़ा संकट नहीं आया, यहां हर मन्नत पूरी होती है। मंदिर परिसर में स्थित शनि एवं नवग्रह मंदिर भी श्रद्धालुओं के आकर्षण का प्रमुख केंद्र है, जहां शनि शिंगणापुर से लाई गई शिला स्थापित है और अखंड ज्योति निरंतर प्रज्वलित रहती है। नवरात्रि के दौरान यहां विशेष पूजा-अर्चना, कलश स्थापना और भव्य श्रृंगार के साथ धार्मिक आयोजन किए जा रहे हैं। वहीं राम नवमी (27 मार्च) के अवसर पर भव्य जवारा विसर्जन शोभायात्रा निकाली जाएगी, जो अपनी दिव्यता और भव्यता के लिए पूरे क्षेत्र में प्रसिद्ध है। पहाड़ी पर स्थित होने के बावजूद मंदिर तक सुगम वाहन सुविधा उपलब्ध होने से श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा नहीं हो रही है। नक्खी माई के दरबार में उमड़ी यह आस्था एक बार फिर यह सिद्ध कर रही है कि सच्ची श्रद्धा और विश्वास के आगे हर दूरी छोटी पड़ जाती है।

मुख्यमंत्री का जन्मदिन सेवा, संवेदना और जनकल्याण के कार्यों के साथ मनाया गया जिला प्रशासन द्वारा विविध कार्यक्रमों का हुआ आयोजन

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का जन्मदिन जिले में विशेष रूप से सेवा, संवेदना और जनकल्याण के कार्यों के साथ मनाया गया। जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में विभिन्न सामाजिक और स्वास्थ्य संबंधी कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिनमें आमजन, जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की सक्रिय सहभागिता देखने को मिली। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री श्रीमती सम्पतिया उइके कार्यक्रम में मुख्य रूप से शामिल हुईं। उन्होंने जिला अस्पताल पहुंचकर मरीजों का हालचाल जाना और उन्हें फल वितरित कर शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। मंत्री श्रीमती उइके ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश में जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन हो रहा है और सरकार हर वर्ग के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम के अंतर्गत जिला अस्पताल में एक नवजात शिशु के जन्म को विशेष रूप से मनाया गया। इस अवसर पर मंत्री श्रीमती उइके ने इमलिया निवासी श्रीमती गायत्री यादव पति श्री विजय यादव के परिवार में आज सुबह जन्मे इस बच्चे का नाम ह्लमोहनह्व रखा, जो मुख्यमंत्री के प्रति सम्मान और स्नेह का प्रतीक बना। मंत्री श्रीमती उइके ने बच्चे को गोद में उठाकर दुलार किया। इस पहल को उपस्थित नागरिकों एवं परिजनों ने सराहा और इसे यादगार पल बताया। जिला प्रशासन द्वारा रोटरी ब्लड सेंटर में आयोजित रक्तदान शिविर भी कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण रहा। शिविर में युवाओं, सामाजिक संगठनों और स्वयंसेवकों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया और जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्तदान कर मानवता की मिसाल पेश की। स्वास्थ्य विभाग की टीम जिसमें सिविल सर्जन डॉ. विजय धुर्वे एवं अन्य डॉक्टरों द्वारा रक्तदान से संबंधित जागरूकता भी फैलायी गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री डॉ. यादव के 61वे जन्मदिन पर 61 लोगों ने रक्तदान किया। इसके साथ ही विभिन्न विभागों द्वारा जनहितकारी योजनाओं की जानकारी भी आमजन तक पहुंचाई गई। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने उपस्थित लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं, पोषण और स्वच्छता के महत्व के बारे में भी जागरूक किया। पूरे आयोजन में सेवा भावना और सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। इस प्रकार मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का जन्मदिन जिले में केवल उत्सव के रूप में ही नहीं, बल्कि जनसेवा के संकल्प दिवस के रूप में भी मनाया गया, जो समाज के लिए प्रेरणादायक रहा। इस दौरान नगरपालिका अध्यक्ष श्री विनोद कछवाहा, श्री प्रफुल्ल मिश्रा, श्री जयदत्त झा, कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा, सीईओ जिला पंचायत श्री शाश्वत सिंह मीना, एसडीएम मंडला श्रीमती सोनल सिडाम, सीएमएचओ डॉ. डीजे मोहंती, सिविल सर्जन डॉ. विजय धुर्वे, अन्य जनप्रतिनिधि सहित अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित थे। इस अवसर पर मंत्री श्रीमती उइके ने क्षय रोग के मरीजों से मुलाकात कर फूड बास्केट का वितरण भी किया।

सहायक संचालक को सीएम हेल्पलाईन के निराकरण में 100% वेटेज स्कोर के लिए मिला प्रशस्ति पत्र

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने फरवरी माह के सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों के निराकरण में सहायक संचालक उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग सुश्री दीपा कुलेश को 100 प्रतिशत वेटेज स्कोर के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि शिकायत के निराकरण में संतुष्टि स्तर को बेहतर रखें। इस दौरान अपर कलेक्टर श्री राजेन्द्र कुमार सिंह, संयुक्त कलेक्टर श्री हुनेन्द्र घोरमारे, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती क्षमा सराफ, समस्त एसडीएम सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

अवैध रेत परिवहन पर एस डी एम की कार्रवाई दो ट्रैक्टर जब्त, थाना घुघरी में खड़े किए गये

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। तहसील मुख्यालय घुघरी में अवैध रेत उत्खनन और परिवहन के खिलाफ प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो ट्रैक्टरों को जब्त किया है। यह कार्रवाई अनुविभागीय अधिकारी (रञ्ज) द्वारा की गई, जिसके बाद दोनों वाहनों को थाना घुघरी में खड़ा कराया गया है। सूत्रों के अनुसार, जब्त किए गए दोनों ट्रैक्टर कथित रूप से राजेश भारतिया के बताए जा रहे हैं।

जांच के दौरान इन वाहनों के पास रेत परिवहन से संबंधित कोई वैध दस्तावेज या रॉयल्टी पर्ची नहीं मिली। ज्ञात हो कि उक्त वाहन मालिक राजेश भारतीया पूर्व में पुलिस विभाग में लंबे समय से डायल 100 वाहन चालक था, तो वही सूत्रों से पता चल है कि कुछ लोग तो दबी जुबान यह भी कह रहे हैं कि उक्त वाहन मालिक की आज भी पुलिस विभाग में अच्छी खासी पकड़ है जिसके चलते इनके द्वारा अवैध गतिविधियों को लंबे समय से जानबूझ कर अंजाम दिया जा रहा है। बताया जा रहा है कि यह कार्रवाई झिघरघटा क्षेत्र में की गई, जहां से ट्रैक्टरों को रेत से भरे हुए पकड़ा गया। संबंधित क्षेत्र में किसी भी प्रकार की वैध रेत खदान स्वीकृत नहीं है, जिससे अवैध उत्खनन की आशंका और मजबूत हो गई है।

अधिकारियों के बयान

राजेन्द्र कुमार सिंह, एडीएम मंडला ने कहा– मामले की जानकारी मिली है, खनिज विभाग को निर्देश दिए गए हैं, वे जांच कर आवश्यक कार्रवाई करेंगे। सचिन जैन, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) घुघरी ने बताया– ह्लरेत से भरे ट्रैक्टरों को थाना में खड़ा किया गया है। रॉयल्टी से संबंधित दस्तावेज मांगे गए हैं। यदि दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाते हैं तो वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। वहीं, गनपत सिंह राठौर, रेत ठेकेदार घुघरी ने स्पष्ट किया– हमारी खदान से किसी भी प्रकार की रॉयल्टी जारी नहीं की गई है। जिस स्थान से ट्रैक्टर पकड़े गए हैं, वहां कोई स्वीकृत खदान नहीं है। यह रेत चोरी की प्रतीत होती है।

क्या हो सकती है कार्रवाई?

यदि दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाते हैं, तो संबंधित वाहन मालिकों परः खनिज नियमों के तहत जुमार्ना, वाहन जब्ती, आपराधिक मामला दर्ज, जैसी कार्रवाई की जा सकती है।

मंडला में अवैध सागौन कटाई करते 4 आरोपी गिरफ्तार

नैनपुर वन क्षेत्र में देर रात गश्त के दौरान पकड़ाए 35 हजार की लकड़ी जब्त

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। मंडला जिले के नैनपुर वन परिक्षेत्र में वन विभाग की टीम ने अवैध सागौन कटाई के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई की है। मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात सर्किल पोड़ी बीट के कक्ष क्रमांक 82 में दबिश देकर विभाग ने चार आरोपियों को पकड़ा। आरोपियों के कब्जे से सागौन की कीमती लकड़ी बरामद की गई है, जिसे अवैध रूप से काटकर ले जाने की तैयारी थी।

वन विभाग ने देर रात दी दबिश

वन विभाग को देर रात करीब 12:30 बजे जंगल में अवैध कटाई की सटीक सूचना मिली थी। डिप्टी रेंजर

लोकेश कुमार भारतीया और बीट गार्ड शंकर टिकरिया के नेतृत्व में टीम ने तत्काल घेराबंदी की। मौके से इटका निवासी ओंकार उईके को संदिग्ध अवस्था में पकड़ा गया, जिसकी निशानदेही पर बाद में उसके तीन अन्य साथियों को भी हिरासत में लिया गया।

10 नग सागौन चिरान और कीमती लकड़ी बरामद- तलाशी के दौरान आरोपियों के पास से सागौन की 10 नग चिरान जब्त की गई है। जब्त लकड़ी की कुल मात्रा 0.144 घन मीटर मापी गई है, जिसकी बाजार में अनुमानित कीमत लगभग 35 हजार रुपए है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान ओंकार उईके, पंचम सिंह, भागचंद और शिवकुमार बरमैया (सभी निवासी ग्राम इटका) के रूप में हुई है।

भारतीय वन अधिनियम में केस

वन विभाग ने सभी चारों आरोपियों पर भारतीय वन अधिनियम 1927 की धारा 26 के तहत केस दर्ज किया है। विभाग अब इस बात की जांच कर रहा है कि क्या ये आरोपी पूर्व में भी लकड़ी तस्करी की घटनाओं में संलिप्त रहे हैं। क्षेत्र में अवैध कटाई रोकने के लिए गश्त तेज कर दी गई है।

स्वयंसेवक शोध छात्रों ने दोषी प्रोफेसरों पर FIR दर्ज करने राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, शिक्षा मंत्री, मुख्यमंत्री से लगाई गुहार

गैरजमानती धाराओं पर मामला दर्ज

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। स्वयंसेवक शोध छात्रों को जिन्हें पीएचडी कोर्स से बर्खास्त करके, हॉस्टल से बाहर निकाल दिया गया है, साथ ही उनके विरुद्ध झूठी प्राथमिक की अमरकंटक थाने में दर्ज कर दी गई है। इन सभी स्वयंसेवको की शाखा लगाने की समान भागवा ध्वज, झंडा की पिलर एवं सभी सामान को छात्रावास अधीक्षकों ने जप्त कर लिया है। इनके कमरों लगी भारत माता की फोटो को हॉस्टल के कमरों से फाड़कर उसे जला दिया है। इन सभी घटना से दुखी सभी शोध छात्रों आर्यन कुमार गर्ग, सुरेश यादव, अभय यादव, ब्रिजेश यादव, राहुल कुमार पाल, दयाशंकर मिश्रा, रितिक कुमार, अनिकेत सिंह, शिवेन्द्र कुमार तिवारी, कुमार मंगलम ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव तथा जिलाधीश जिला अनूपपुर एवं पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौपा है।

जनजातीय विवि के शोध छात्र एवं आरएसएस के विभिन्न दायित्व में राष्ट्र सेवा कर रहे आर्यन कुमार गर्ग, सुरेश यादव, अभय यादव, ब्रिजेश यादव, राहुल कुमार पाल, दयाशंकर मिश्रा, रितिक कुमार, अनिकेत सिंह, शिवेन्द्र कुमार तिवारी, कुमार मंगलम पर अपराध क्रमांक प्र.सू.रि.सं. 0048 दिनाँक 21/03/2026 को भारतीय न्याय संहिता 2023 की धाराएं 126(2), 296, 351(3), 3(5) के तहत अमरकंटक थाना में एफआईआर दर्ज कर लिया गया है, इस एफआईआर में शोध छात्र जय गणेश दीक्षित का भी नाम है। चार्ल्स वर्गीस पिता सी. के. वर्गीस ने एफआईआर दर्ज करवाई है, एफआईआर में उल्लेख है की- ह्यसुबह मेरा पड़ोसी डक्टर अनीता शर्मा ने मुझे बताई कि रात में करीब 9 बजे ट्रांजिट आवास में आकर आपके मकान संख्या 24 जो बंद था जिसमे जोर से धक्का मारने की आवाज सुनकर मैं अपने क्वार्टर से बाहर निकली।

शोध छात्रों ने बताया की भारत सरकार के सीसीएस रूल की धारा 7 एवं भारत सरकार के डीओपीटी तथा यूजीसी द्वारा जारी निर्देश के अनुसार शासकीय सेवा में कार्यरत प्रोफेसर या लोक सेवक एक साथ एकत्रित होकर आंदोलन, धरना, प्रदर्शन नहीं कर सकते हैं। इस बर्खास्तगी होना तय है। ज्ञात हो की इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजाति विश्वविद्यालय एक्ट में तथा इसके ऑर्डिनेंस में टीचर एसोसिएशन बनाने का कोई प्रावधान नहीं है, जब एक्ट में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है तब इस प्रकार का गैर-सरकारी संगठन बनाकर उसके बैनर तले इकट्ठा होकर धरना प्रदर्शन कर-के छात्रों पर फर्जी और झूठी एफआईआर लिखवाने तथा उन्हें बर्खास्त करवाने के लिए की गई कार्रवाई अपने आप में छात्र विरोधी और राष्ट्र विरोधी गतिविधि को प्रमाणित करता है। इस मामले में छात्रों ने सभी वीडियो, व्हाट्सएप पर की गई चैटिंग तथा फोटोग्राफ्स को भी संलग्न करके भेजा गया है।

धर्मांतरित हुए छात्र तथा उसके अन्य सहयोगी कम्युनिस्ट विचारधारा के एससी-एसटी छात्रों द्वारा कुलपति के ईमेल पर राष्ट्रवादी लोगों के विरुद्ध झूठी शिकायत प्रेषित की जा रही है ताकि कुलपति से जाँच कमेटी बनवाकर उन्हें भी फसाया जा सकें, प्रशासन के नजदीकी कुछ प्रोफेसरों द्वारा चोरी करके प्राप्त दस्तावेजों का हाईकोर्ट में झूठी केश करने की पोल खुल गई है, । धर्मांतरित हुए छात्र हॉस्टल में अवैध कार्यों को लगातार अंजाम दे रहे हैं तथा इसकी पर्याप्त साक्ष्य भी मौजूद है।

नाबालिग बालिका का अश्लील फोटो एवं मैसेज वायरल करने का आरोपी गिरफ्तार

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनुपपुर। 17 वर्षीय नाबालिग बालिका के द्वारा अपने परिजनों के साथ पुलिस अधीक्षक अनूपपुर कार्यालय में मिलकर शिकायत की गई कि सोशल मीडिया इन्स्टाग्राम पर उसके अश्लील फोटोग्राफ मोबाईल नम्बर के साथ वायरल कर दिया गया है। जिसमें लिखा गया कि सेक्स वर्क के लिए इस लड़की से मोबाइल नंबर पर संपर्क करें। जिससे नाबालिग बालिका और उसके परिजनों का जीना मुश्किल हो गया है। पुलिस अधीक्षक अनूपपुर के निर्देशन में तत्काल नाबालिग बालिका की रिपोर्ट पर थाना कोतवाली अनूपपुर में अज्ञात आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 42/26 धारा 67,67ए आई.टी. एक्ट पंजीबद्ध किया गया। टी.आई. कोतवाली अरविन्द जैन के द्वारा उक्त प्रकरण की विवेचना की गई, जिनके नेतृत्व में सहायक उपनिरीक्षक गोविन्द पनिका प्रधान आरक्षक महेन्द्र सिहं, प्रधान आरक्षक रीतेश सिहं, सायबर सेल अनूपपुर से प्रधान

आरक्षक राजेन्द्र अहिरवार, आरक्षक पंकज मिश्रा की टीम के द्वारा इन्स्टाग्राम आई.डी. के यूजर का पता किया जाकर आरोपी उत्तरा कुमार उर्फ उदय केवट पिता हीरालाल केवट उम्र करीब 34 साल निवासी ग्राम गतवा पोस्ट सिलादेही थाना बिलरा जिला जांजगीर चांपा (छ.ग.) को जांजगीर चांपा (छत्तीसगढ) से गिरफ्तार किया जाकर पुलिस रिमाण्ड लिया गया है। पुलिस ने आरोपी उत्तरा कुमार केवट के द्वारा सोशल मीडिया इन्स्टाग्राम में अश्लील फोटो एवं मैसेज पोस्ट किये जाने में प्रयुक्त उसका रेडमी कंपनी का स्मार्ट फोन एवं दो मोबाईल सिम जप्त की गई है। पुलिस द्वारा की गई पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया कि वह जम्मू कश्मीर के कठुआ में अपने माता पिता के साथ प्रायवेट नौकरी करता था, जहां उसका परिचय एवं दोस्ती अनूपपुर जिले की रहने वाली उक्त 17 वर्षीय नाबालिग बालिका से हो गया था कालान्तर में जब नाबालिग बालिका ने आरोपी से बातचीत करना बंद कर दिया तो नाराज होकर आरोपी के द्वारा अश्लील फोटो एवं अश्लील मैसेज इन्स्टाग्राम में पोस्ट किये गये है।

11वीं के दो छात्र छात्रावास से हुए गायब, थाना में हुई शिकायत, पुलिस तलाश में जुटी

दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। जिले के धुरवार एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय छात्रावास से 11वीं कक्षा के दो छात्र लापता हो गए हैं। सुबह उपस्थिति के दौरान दोनों छात्र नहीं मिलने पर हड़कंप मच गया। सूचना मिलने के बाद पुलिस और प्रशासन छात्रों की तलाश में जुट गया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार छात्रावास वार्डन अरुण कुमार ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि रात्रि गणना के दौरान सभी छात्र छात्रावास में मौजूद थे, लेकिन सुबह की गणना में दो छात्र गायब मिले। दोनों छात्र कक्षा 11वीं के बताए जा रहे हैं। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है और छात्रों की तलाश शुरू कर दी गई है। गौरतलब है कि छात्रावास से पहले भी एक छात्रा लापता हो चुकी है, जिसका अब तक कोई पता

नहीं चल पाया है। लगातार छात्र-छात्राओं के लापता होने की घटनाओं से अभिभावकों में नाराजगी बढ़ रही है। परिजनों ने छात्रावास प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि बच्चों को पढ़ाई के लिए छात्रावास भेजा था, लेकिन उनकी सुरक्षा ही नहीं हो पा रही है। छात्रावास में कई कर्मचारी तैनात रहते हैं, गेट भी बंद रहता है, इसके बावजूद बच्चों का इस तरह लापता हो जाना गंभीर सवाल खड़े करता है। वहीं सोहागपुर थाना प्रभारी अरुण पांडे ने बताया कि मामले में अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी गई है और लापता छात्रों की तलाश के लिए पुलिस टीम लगाई गई है। एसी ट्राइबल आनंद राय सिन्हा ने भी बताया कि विभागीय स्तर पर मामले की जांच कराई जा रही है। जल्द ही छात्रों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

जल संकट से त्रस्त ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन अडानी थर्मल पावर के बैराज पर फूटा जनाक्रोश

नदी पर बने एनीकट को बताया अवैध, प्रशासन को सौंपा ज्ञापन

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनुपपुर। कोतमा क्षेत्र में अडानी ग्रुप की अनूपपुर थर्मल पावर परियोजना पर मझौली पंचायत अंतर्गत नदी पर कंपनी द्वारा बनाए गए एनीकट (बैराज) के कारण क्षेत्र में गंभीर जल संकट उत्पन्न होने का आरोप लगाते हुए सोमवार को सैकड़ों ग्रामीणों और युवाओं ने प्रदर्शन किया। ग्रामीणों का कहना है कि कंपनी द्वारा नदी पर बनाए गए बांध में पानी भरा हुआ है, जबकि कोतमा, पसान नगर पालिका सहित नदी किनारे बसे लगभग आधा सैकड़ा से अधिक गांवों के लोग पीने के पानी के लिए तरस रहे हैं। पिछले तीन दिनों से बढ़ते जल संकट से परेशान होकर रामजी रिंकू मिश्रा और गुड्डू चौहान के नेतृत्व में बड़ी संख्या में युवक बैराज स्थल पर पहुंचे और नारेबाजी कर विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शन के दौरान जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों का आक्रोश बढ़ता देख प्रशासन भी सतर्क हो गया। मौके पर राजस्व और पुलिस अधिकारियों के साथ कंपनी के प्रतिनिधि भी पहुंचे। स्थिति को देखते हुए बांध के नीचे से पानी का कुछ हिस्सा छोड़ा गया, जिससे नदी में जल प्रवाह शुरू हो सका। कंपनी ने नदी के ऊपर अस्थायी सड़क बनाकर प्राकृतिक जल प्रवाह और जलीय जीव-जंतुओं के अस्तित्व को भी खतरे में डाल दिया है। साथ ही अवैध ब्लास्टिंग के कारण नदी का

पानी भी प्रदूषित और जहरीला होने की आशंका जताई गई है। प्रदर्शन के दौरान मझौली और खमरौध पंचायत की सीमा पर स्थित बैराज स्थल पर भारी भीड़ जमा हो गई, जिसके चलते प्रशासन ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम के लिए तहसीलदार सहित कई थाना से पुलिस बल तैनात किया। इस दौरान ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने नायब तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर अवैध रूप से बने एनीकट को हटाने, जल संकट से राहत दिलाने तथा पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाली गतिविधियों पर रोक लगाने की मांग की। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल संकट का स्थायी समाधान नहीं किया गया तो आने वाले दिनों में आंदोलन और तेज किया जाएगा।

दिव्यांगजन रैम्प निर्माण को मिली हरी झंडी, अधिवक्ता व पूर्व पार्षद ने सामने लाई पूरी सच्चाई

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। अधिवक्ता रूपांशु अग्रवाल के एक महत्वपूर्ण आवेदन के जवाब में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल ने स्वीकार किया है कि जैतहरी रेलवे स्टेशन पर दिव्यांगजनों की सुविधा हेतु रैम्प निर्माण का ठेका पहले ही दिया जा चुका है तथा इस कार्य को 27 मई 2026 तक पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जबलपुर उच्च न्यायालय, मध्यप्रदेश के अधिवक्ता एवं वार्ड नं. 01, जैतहरी के निवासी रूपांशु अग्रवाल ने बिलासपुर मंडल अभियांत्रिकी विभाग को आवेदन प्रस्तुत किया था। इस आवेदन से यह स्पष्ट हो गया है कि रेलवे ने जैतहरी स्टेशन पर दिव्यांगजनों के लिए रैम्प का ठेका ?1,34,54,838.85 (एक करोड़ चौंतीस लाख चौवन हजार आठ सौ अड़तीस रुपये पचासी पैसे) में दे दिया है। अब जनता को अधिकार है कि वह इस कार्य की प्रगति पर कड़ी नजर रखे। वरि. मंडल अभियंता (मध्य) बिलासपुर के कार्यालय द्वारा दिनांक 24 मार्च 2026 को जारी पत्र क्र. दपूमरे/बीएसपी/इंजी./सू.का.अधि./25-

26/155(अ) में स्पष्ट किया गया है कि यह कार्य टेंडर क्र. DRM-ENGG-BSP-T-82-25-26/10370550137610 के अन्तर्गत आवंटित किया जा चुका है। रेलवे के जवाब के अनुसार यह कार्य मेसर्स आर.एस.टी. सर्विसेज, ग्राम बेलग्रा, पोस्ट बंघुसरा, बिकापुर, अयोध्या (उ.प्र.) झ 224205 को सौंपा गया है। अनुबंध की कुल राशि रु. 1,34,54,838.85 (एक करोड़ चौंतीस लाख चौवन हजार आठ सौ अड़तीस रुपये पचासी पैसे) है तथा कार्य पूर्ण करने की निर्धारित अवधि 09 माह है। अधिवक्ता रूपांशु अग्रवाल का कहना है कि यह जनता को बताने का प्रयास है कि उनके क्षेत्र में कितने महत्वपूर्ण कार्य चल रहे हैं और सरकारी धन का सदुपयोग हो रहा है या नहीं। यदि समय पर कार्य पूर्ण नहीं होता, तो वे उचित कानूनी कदम उठाने के लिए तत्पर हैं।

तीन गजराज भटककर अनूपपुर से पहुँचे शहडोल जिला, फसलो को किया नुकसान, वन विभाग एलर्ट

दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। अनूपपुर जिले से भटकते हुए तीन जंगली हाथी शहडोल जिले के बुढार वन परिक्षेत्र में पहुंच गए हैं। हाथियों की आमद के बाद वन विभाग अलर्ट मोड पर है और लगातार उनकी निगरानी की जा रही है। हाथियों के मूवमेंट को देखते हुए वन विभाग ने दो विशेष निगरानी दल गठित किए हैं, जिनमें कुल 15 कर्मचारी शामिल हैं। दोनों टीमों का नेतृत्व बुढार रेंजर सलीम खान और केशवाही रेंजर अंकुर तिवारी कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार, यह तीनों हाथी पिछले कुछ महीनों से अनूपपुर जिले के अलग-अलग जंगल क्षेत्रों में घूमते रहे और अब शहडोल जिले की सीमा में प्रवेश कर गए हैं। पहले हाथी बुढार वन परिक्षेत्र के अरझुली क्षेत्र में देखे गए थे। इसके बाद बीती रात हाथियों ने लगभग 10 किलोमीटर का सफर तय किया और अब वे पश्चिमी कटौतिया के आरएफ 87 और 88 के जंगल क्षेत्र में मौजूद हैं। वन विभाग के अनुसार, हाथियों ने रात के दौरान खेतों में घुसकर लगभग एक एकड़ फसल को नुकसान पहुंचाया है। इसके

अलावा बुढार क्षेत्र के कठई गांव के जमुनिया टोला में गांव के किनारे स्थित पंकू सिंह के घर में भी हाथियों ने तोड़फोड़ की। घर में रखा महुआ और धान हाथियों ने खा लिया, जिससे ग्रामीण को नुकसान हुआ है। हाथियों की मौजूदगी को देखते हुए वन विभाग लगातार आसपास के गांवों में मुनादी करवा रहा है और ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह दी जा रही है। लोगों से अपील की गई है कि वे रात में जंगल या खेत की ओर न जाएं और हाथियों के पास जाने की कोशिश न करें। वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि हाथी फिलहाल अपने पुराने कॉरिडोर के रास्ते आगे बढ़ रहे हैं और संभावना है कि वे छत्तीसगढ़ की ओर वापस लौट सकते हैं, क्योंकि यह हाथी उसी दिशा से अनूपपुर होते हुए शहडोल पहुंचे थे। फिलहाल वन अमला लगातार हाथियों की निगरानी में जुटा हुआ है।

जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक संपन्न

दैनिक रेवांचल टाइम्स उमरिया। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक कलेक्टर सभागार में संपन्न हुई । बैठक में कलेक्टर द्वारा एएनसी पंजीयन अनमोल पोर्टल पर 100 प्रतिशत किए जाने,हाई रिस्क गर्भवती माता के एनीमिया प्रबंधन का अपडेशन पोर्टल पर करने , एचपीवी वैक्सीनेशन हेतु अधिक से अधिक प्रचार प्रसार करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने मातृ मृत्यु एवं शिशु मृत्यु दर की समीक्षा,एनआरसी की समीक्षा करते हुए स्वास्थ्य विभाग एवं महिला एवं बाल विकास विभाग को कुपोषित बच्चों को भर्ती कराने, 70 प्लस एवं सामान्य पोर्टल आधारित लाभार्थी का आयुष्मान कार्ड बनाने, आउट रीच गतिविधि के तहत अधिक से अधिक किशोरियों को लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए गए। उन्होंने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को अनुपातिक लक्ष्य अनुरूप उपलब्धि संतोष जनक ना पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने नरवाई जलाना किया प्रतिबंधित

दैनिक रेवांचल टाइम्स उमरिया। जिले में रवि के सीजन में गेहूँ मुख्य फसल के रूप में ली जा रही है। उक्त फसल की कटाई मुख्य रूप से कंबाईन हार्वेस्टर के माध्यम से की जाती है। कंबाइन हार्वेस्टर से कटाई उपरांत फसलों की नरवाई में आग लगाने की घटनाओं में तेजी से वृद्धि हुई है। आग लगाने से भूमि की उर्वरा शक्ति में कमी होती है तथा पर्यावरण भी गंभीर रूप से प्रभावित होता है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के द्वारा नरवाई में आग लगाने की घटनाओं को सेटेलाईट मैपिंग की जा रही है। नरवाई में आग लगाना कृषि के लिये नुकसानदायक होने के साथ ही पर्यावरण की दृष्टि से भी हानिकारक है। इसके कारण विगत वर्षों में गंभीर स्वरूप की अग्नि दुर्घटनाएं घटित हुई है तथा व्यापक संपत्ति की हानि होती है। ग्रीष्म ऋतु में बढ़ते जल संकट में इससे बढोत्तरी तो होती है ही साथ ही कानून व्यवस्था के लिये विपरीत परिस्थितियां निर्मित होती हैं।

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी मामा गिरफ्तार कर भेजा जेल

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनुपपुर। नाबालिग की रिपोर्ट पर थाना जैतहरी में अपराध धारा 64(2)(), 64(2)(I), 65(1), 351(3) बीएनएस तथा 5('), 5()(), 6 पॉक्सो एक्ट के तहत जैतहरी पुलिस अपराध पंजीबद्ध किया गया। नाबालिग पीड़िता निवासी ने रिपोर्ट अस्पताल चौकी शहडोल में रिपोर्ट किया था कि जब वह पिछले वर्ष माह सितंबर 2025 में अपनी मम्मी के साथ नानी के घर गई थी तो वहां मामा ने जबरजस्ती बुरा काम किया है जिससे वह गर्भवती है। पीड़िता की रिपोर्ट पर अस्पताल चौकी शहडोल थाना सोहागपुर से जीरो का अपराध प्राप्त कर बीएनएस एवं पॉक्सो अधिनियम की गंभीर धाराओं के तहत थाना जैतहरी में असल अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। जैतहरी पुलिस के त्वरित कार्यवाही कार्यवाही कर नाबालिक पीड़िता के साथ दुष्कर्म करने वाले आरोपी मामा निवासी अमगवा को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। न्यायालय द्वारा जेल वारंट जारी होने पर आरोपी को जिला जेल अनूपपुर में दाखिल किया गया।

संपादकीय

पीएम संबोधन, ट्रंपी युद्धविराम

प्रधानमंत्री मोदी ने लोकसभा में वक्तव्य देकर पश्चिम एशिया के संकट और संघर्ष को कोरोना महामारी जैसी गंभीर और अभूतपूर्व चुनौती माना है। उन्होंने देश की एकजुटता का आह्वान किया और इस आर्थिक, सुरक्षा संबंधी, मानवीय चुनौती को चुनौती देने का हौसला दिया। प्रधानमंत्री ने देश को आश्वस्त भी किया और जानकारी भी साझा की कि पहले हम 27 देशों से आयात करते थे, लेकिन अब 41 देशों से विविध सामान ले रहे हैं। देश में 53 लाख मीट्रिक टन कच्चे तेल का रणनीतिक भंडार है। उसे बढ़ा कर 65 लाख मीट्रिक टन करने पर काम किया जा रहा है। अब हम पेट्रोल में 20 फीसदी ईथेनॉल का मिश्रण करते हैं, लिहाजा 4.5 करोड़ बैरल कम तेल आयात करना पड़ रहा है। यह प्रयोग सफल रहा है। रेलवे का लगभग 100 फीसदी बिजलीकरण किया जा चुका है, लिहाजा डीजल और कोयले की खपत नगण्य हो गई है। देश में खाद्यान्न के पर्याप्त भंडार हैं और खरीफ की बुवाई के लिए उर्वरकों की पूरी व्यवस्था है। देश में यूरिया के 6 प्लांट लगाए गए हैं, जो 76 लाख मीट्रिक टन यूरिया का उत्पादन कर रहे हैं। किसानों को 22 लाख सोलर पंप दिए गए हैं। देश में बिजली उत्पादन की पर्याप्त मात्रा है और 1500 मेगावाट पनबिजली जोड़ी जा रही है। वैकल्पिक ऊर्जा के तौर पर 250 गीगावाट का उत्पादन किया जा रहा है। मानवीय स्तर पर देखें, तो ईरान युद्ध शुरू होने के बाद 3.75 लाख भारतीयों को वापस लाए हैं। ईरान से भी करीब 1000 भारतीय सुरक्षित लौटे हैं। मेडिकल के 700 छात्रों को भी वापस लाने में हम सफल रहे हैं। भारतीय दूतावास 24 घंटे काम कर रहे हैं और भारतीयों के संपर्क में हैं। बहरहाल यह संसद में प्रधानमंत्री मोदी के वक्तव्य का सारांश है। यह उनका दायित्व भी था कि देश को यथार्थ बताएं। इसे हम राष्ट्र के नाम संबोधन ही नहीं, बल्कि वैश्विक संदेश मानते हैं। प्रधानमंत्री ने बार-बार मानवता की रक्षा और उसके हित में तनाव, युद्ध को अविलंब खत्म करने की अपील की है। भारत संयम, संवाद, शांति, स्थिरता और कूटनीति का पक्षधर रहा है। प्रधानमंत्री के वक्तव्य के दो-अढाई घंटे बाद ही अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप ने, अचानक ही, एकतरफा और पांच दिनों का युद्धविराम घोषित कर दिया। उन्होंने दावा किया कि ईरान के साथ बातचीत सार्थक और सकारात्मक रही है। ईरान अमरीका के साथ डील करना चाहता है। कैसी डीलङ्क! अमरीका ने तो ईरान के पॉवर प्लांट तबाह करने के लिए 48 घंटे की धमकी दी थी, लेकिन 12 घंटे शेष रहते ही युद्धविराम का ऐलान कर दिया। क्या यह ट्रंप का नया छलावा, षड्यंत्र है अथवा वह युद्ध से बाहर निकलने की कोशिश कर रहे हैं? राष्ट्रपति ट्रंप ने यह भी दावा किया कि अब ईरान परमाणु हथियार नहीं बनाएगा। हम कई मुद्दों पर सहमत हैं, लिहाजा तय किया गया है कि अमरीका पांच दिन तक कोई भी हमला नहीं करेगा। युद्ध विभाग को भी निर्देश दे दिए गए हैं, लेकिन ईरान ने ट्रंप के बातचीत के दावे को सिरे से ही खारिज कर दिया है। न कोई बातचीत हुई है और न ही किसी डील की अपेक्षा है। अमरीका ने बातचीत का संदेश भेजा जरूर था, जिसे ईरान ने नकार दिया था। ईरान का मानना है कि ट्रंप ईरान के पलटवार तबाही वाले हमलों की चेतावनी से डर गए हैं, लिहाजा युद्ध में पीछे हटे हैं। अमरीका एक बार फिर हार गया है। बेशक राष्ट्रपति ट्रंप की घोषणा से ही कच्चे तेल की कीमतें 15-16 फीसदी लुढक कर 96 डॉलर पर आ गईं। शेयर बाजारों में भी उछाल देखा गया। सवाल यह है कि क्या अब राष्ट्रपति ट्रंप ईरान के साथ स्थायी युद्धविराम के मूड में हैं? अमरीका में ही चौतरफा विरोध जारी है। संसद और सीनेट के मध्यावधि चुनाव इसी साल हैं। यदि ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी का संसद में बहुमत समाप्त हो गया, तो राष्ट्रपति के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव भी लाया जा सकता है। अमरीका में आर्थिक स्थितियां बेहद खराब हैं। क्या उन्हीं से विवश होकर युद्धविराम की घोषणा की गई है? बहरहाल इजरायल इससे सहमत नहीं है, लिहाजा ईरान पर लगातार हमले कर रहा है। ईरान भी आक्रामक जवाब दे रहा है। युद्धविराम के मायने क्या हैं फिर? दोनों ओर से हमले किए जा रहे हैं, खूब बारूद फूंका जा रहा है, यह कैसा युद्धविराम है?

मैहर : शारदा माता मंदिर

ऐसा कहा जाता है कि जब भगवान शिव मृत माँ देवी (हिंदी में माई) सती के शरीर को ले जा रहे थे , तो उनका हार (हिंदी में हर) इस स्थान पर गिरा और इसलिए इसका नाम ह्लमैहरह्व पड़ा (मैहर = माई + हर , जिसका अर्थ है माँ का हार) ।मैहर के स्थानीय लोगों के अनुसार, राजा परमर्दिदेव चंदेल के शासन में योद्धा आल्हा और उदल , जिनका पृथ्वी राज चौहान के साथ युद्ध हुआ था , शारदा देवी के बहुत बड़े अनुयायी थे ।ऐसा कहा जाता है कि वे इस सुदूर जंगल में देवी के दर्शन करने वाले पहले व्यक्ति थे। उन्होंने माँ देवी को शारदा माई के नाम से पुकारा, और तब से वे माता शारदा माई के रूप में लोकप्रिय हो गईं मैहर का इतिहास पुरापाषाण काल से जुड़ा है ।

मैहर राज्य की स्थापना (कछवाहा राजपूत)- मैहर रियासत की स्थापना कछवाहा वंशज श्रीमंत महाराजा बेनी सिंह जूदेव के द्वारा 1770 में की गयी जिसका क्षेत्रफल 407 वर्ग किलोमीटर था। उनके बाद उनके पुत्र महाराजा दुर्जन सिंह जूदेव गद्दी पर आसीन हुए ।मैहर में स्थित माँ शारदा के मंदिर का निर्माण और मैहर क्षेत्र का विकास और परकोटा बनाकर मैहर क्षेत्र को सुरक्षित किया।

1820 में महाराजा दुर्जन सिंह ने अपना तुलादान करवाया और माँ शारदा के मंदिर पहुँचने के लिये सीढ़ियों का निर्माण करवाया और दर्शनार्थियों के लिए दो बावलियों का निर्माण भी करवाया ।ब्रिटिश काल में उनके परपोते महाराजा रघुवीर सिंह जूदेव (1844-1908) ने मैहर शहर का और विकास कर कई और मंदिरों का निर्माण करवाया ।उनके परपोते महाराजा बृजनाथ सिंह जूदेव (1896-1968) ने मैहर का आधुनिक विकास कराया जैसे पुलघटा का निर्माण रेलवे स्टेशन (1934) बाबा अल्लाउद्दीन खां साब को मैहर लाकर मैहर घराने की स्थापना की ।बाबा प्रतिदिन की नमाज के साथ मां शारदा के दर्शन करने भी मंदिर जाया करते थे । लौटते वक्त एक पाइप का टुकड़ा जो उनके पैरों से टकराया और वह सीढी से से नीचे की ओर विभिन्न स्थितियों मैं गिरता जा रहा था। और बाबा को उससे स्वर मिल रहे थे, बाबा ने यह बात आकर महाराजा बृजनाथ सिंह जू देव जी से बताइए बाबा की बात सुनकर महाराज साहब ने बंदूक की पचासो नालियां कटवा दी बाबा ने उन नालियों को स्वर वध किया और लय में लाकर एक विश्व का अद्वितीय इकलौता बाद नल तरंग का ईजाद किया।

वर्तमान में शाशक श्रीमंत एच एच महाराजा बहादुर अक्षय राज सिंह जूदेव हैं। वर्तमान समय में मैहर राजपरिवार की प्रमुख राजमाता श्रीमंत कवितेश्वरी देवी तथा एच एच महाराजा बहादुर अक्षय राज सिंह जू देव से प्राप्त जानकारी अधोलिखित है। सन 1790 में एच एच श्रीमंत महाराजा बहादुर दुर्जन सिंह जू देव ने मां शारदा की अलौकिक प्रतिभा के दर्शन पूजन हेतु स्वयं के तुलादान से उपलब्ध धन तथा मोहरों से मंदिर, सीढ़ियों एवं दो बाओलियों के निर्माण के साथ यात्रियों के ठहरने हेतु धर्मशाला का निर्माण कराया। बाओलियों के जल का उपयोग माता जी के पूजन अर्चन तथा अभिषेक के साथ श्रद्धालुओं के पीने तथा स्नान आदि के लिए किया जाता रहा। एच एच महाराजा बहादुर बृजनाथ सिंह जू देव ने तत्पश्चात मंदिर निर्माण कार्य एवम संरक्षण और संवर्धन प्रदान किया।

जब देवी मैहर वाली तो नाम शारदा क्यों

मान्यता है कि जब आल्हा और उदल ने मंदिर की खोज की तो प्रतिमा को देख दोनों के मन में भक्ति और वैराग्य आ गया। समय बीतने के साथ ये दोनों भाई माता की भक्ति में डूबने लगे। आल्हा ने 12 साल तक देवी को प्रसन्न करने के लिए इसी जगह कठोर तप किया।

आल्हा की तपस्या से प्रसन्न होकर देवी ने उन्हें अपना आशीर्वाद दिया था। आल्हा देवी माता की पूजा करने के दौरान उन्हें शारदा माई कहकर बुलाते थे। तब से इस मंदिर में विराजित प्रतिमा को मां शारदा के नाम से ही जाना गया।

परंपरा: 50 साल से जल रही अखंड ज्योति

मां शारदा शक्तिपीठ के पुजारी पंडित पवन महाराज ने बताया कि मंदिर के पीछे गुफा में 50 वर्ष से लगातार अखंड ज्योति जल रही है। इसके दर्शन मात्र से श्रद्धालुओं के सभी पाप धुल जाते हैं। इसी गुफा में मंदिर के प्रधान पुजारी देवी प्रसाद ने मां शारदा की तपस्या की थी।

पंडित पवन महाराज ने कहा कि पूर्व प्रधान पुजारी स्वर्गीय देवी प्रसाद मां शारदा की साधना करने के लिए मंदिर प्रांगण में एक स्थान ढूंढ रहे थे। तभी मां शारदा द्वारा महाराज को स्मरण कराया कि मैहर प्रांगण में छोटी सी गुफा है, जहां बैठकर साधना कर सकते हो। साधना के दौरान मां द्वारा स्मरण कराया गया कि वे एक अखंड ज्योति प्रज्वलित करें। प्रधान पुजारी ने 50 वर्ष पूर्व मां शारदा के नाम से एक अखंड ज्योति प्रज्वलित की थी, जो आज भी जल रही है।

लोगों में पर्यावरण संबंधी जागरूकता के अभाव के कारण, गत कई दशकों से, मां शारदा मंदिर की आस्था से जुड़ी यह बाओली उपेक्षित रही । भारतीय राष्ट्रीय कला एवं सांस्कृतिक धरोहर ट्रस्ट भारत में विरासत जागरूकता और संरक्षण के नेतृत्व के लिए स्थापित किया गया था। देवी जी की इस महत्वपूर्ण बाओली के जीर्णोद्धार का कार्य (मैहर सतना चैप्टर) ने अपने सक्षम हाथों में लिया और बिरला कॉरपोरेशन के आर्थिक सहयोग द्वारा इसे संपन्न किया।

वर्तमान में मंदिर समिति की व्यवस्था मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति, एवं धर्मस्य मंत्रालय के अधीन है, जिसका संचालन अध्यक्ष कलेक्टर सतना तथा प्रशासक एसडीएम मैहर द्वारा निष्ठा पूर्वक किया जा रहा है।

मैहर जिला की जिलाधीश महोदया श्रीमती रानी बाटड जी का भ्रमण बाबली में इंटेक के मार्फत किए गए प्रोजेक्ट के अवलोकन के साथ उसे मूर्ति रूप देने की पहल के उद्देश्य से हुआ। श्रीमती अंबिका बेरी जी के कुशल निर्देशन में बाबली को मूर्ति रूप देने एवं मैहर में कुछ अन्य प्रोजेक्ट पर भी कार्य करने की बात उनके द्वारा कही गई।

कितनी प्रभावित होंगी विकास योजनाएं

वनीकरण के लिए 32 फीसदी भूमि को वनों के अधीन लाने के लिए महिला मंडलों और स्वयं सहायता समूहों को जोड? की पहल स्वागत योग्य है, किन्तु इसके साथ वन अधिकार कानून के अंतर्गत बनाई गई ग्राम वन प्रबन्धन समितियों को, जहां जहां ये बन गई हैं, प्राथमिकता दी जानी चाहिए। ये समितियां कानूनी रूप से अधिक सक्षम भी हैं और अधिक स्थायी भी। वन प्रबन्धन के लिए स्थायित्व बहुत महत्वपूर्ण तत्व है। बागवानी के लिए शिवा परियोजना को चंबा तक विस्तार दिया जाना चाहिए था। चंबा आकांक्षी जिला होने के बावजूद कई पहलों में छूट जाता है। मछली पर, बजट दबाव के बावजूद रॉयल्टी घटाना अच्छी पहल है। मछली पालन के लिए अन्य सुविधाएं भी स्वागत योग्य हैं। टिकाऊ पर्यटन के लिए नीति और प्रशिक्षण दूरदृष्टि का परिचायक है।

2024–25 बजट आकार 58444 करोड़ रुपए, 25–26 का 58514 करोड़ रुपए, 26–27 का 54928 करोड़ रुपए है। जाहिर है कि राजस्व घाटा अनुदान केंद्र सरकार की ओर से बंद हो जाने के कारण महंगाई दर में बढ़ोतरी के बावजूद बजट आकार घटाना पड़ा है। इसका असर विकास योजनाओं पर पड़ेगा?

स्वाभाविक है। पेंशन, वेतन, ग्रेच्युटी, ब्याज, ऋण भुगतान प्रतिबद्ध देनदारियों पर 73.69 प्रतिशत बजट खर्च हो रहा है, जिसके चलते वास्तविक विकास कार्यों के लिए केवल 26.31 प्रतिशत भाग ही बचता है। यह हिमाचल के बजट की स्थायी विसंगति बन चुकी है, जो इस वर्ष भी हावी है। इसके लिए काफी हद तक टॉप हैवी प्रशासन तन्त्र का निर्माण बड़ी गलती रहा है, जिसके चलते अनुत्पादक खर्च अनावश्यक रूप से बढ़ गया है, जिसके कारण जहां उत्पादक कार्य होना है वहां बजट ही देना संभव नहीं होता है। इसके बावजूद बहुत से जरूरी कार्यों की ओर ध्यान देने का प्रयास किया गया है। हालांकि पर्याप्त धन आबंटन संभव ही नहीं है।

कृषि, बागवानी, पशुपालन, वानिकी के लिए बेहतर पहलें करने का प्रयास किया गया है, किन्तु पर्याप्त धन आबंटन नहीं हो पाया है। उदाहरण के लिए मानव–वन्य पशु संघर्ष के चलते कृषि पर पड? वाले प्रभाव को रोकने के लिए जालीदार तारबाड़ की बड़े पैमाने पर जरूरत है ताकि सूअर, बंदर, नीलगाय और बेसहारा पशुओं से खेती को पहुंचाया जा रहा नुकसान रुक सके, जिसके चलते प्रदेश में बहुत से किसान खेती छोड़? पर बाध्य हो चुके हैं। खेत बाड़बंदी योजना पर केवल 10 करोड़ रुपए ही आबंटित किए जा सके जो नाकाफी हैं। पशुपालन क्षेत्र में कई अच्छे फैसले हुए हैं। ए–2 किस्म के दूध को अलग पहचान देने का कार्य सराहनीय है जो भारतीय पशु धन में दूध की गुणवता को मान्यता देकर प्रोत्साहित करता है। इसे प्रीमियम कीमत देना भी अच्छा फैसला है। दूध खरीद मूल्य भी किसान हितैषी फैसला है। डेरी उद्योग को पर्याप्त प्रोत्साहन अच्छी पहल है, किन्तु हिमाचल पशुचारे के मामले में पंजाब–हरियाणा के महंगे तूड़ी आयात पर निर्भर हो चुका है, जबकि 30–चालीस वर्ष पहले जब पशु संख्या आज के मुकाबले बहुत ज्यादा थी, हर घर में 2–4 पशु होना मामूली बात थी। आज तो उससे आधे भी पशु नहीं बचे हैं, फिर भी तूड़ी आयात करने की बाध्यता वनों से चारा आपूर्ति की क्षमता चीड़ रोपण, और खरपतवारों (लैंटाना, यूपिटोरियम, पार्थेनियम, नीला फुलनू आदि) के भयानक आक्रमण के कारण इस दौरान समाप्त हो जाने के कारण ही आ पड़ी है। हिमाचल में निजी भूमि तो केवल 10 प्रतिशत ही है। उसमें अन्न, सब्जी, फल आदि उगाने के बाद बहुत कम चारा उगाने की संभावना बचती है।

अतः 67 फीसदी वन्य भूमि वाले प्रदेश को वनों से चारा उपलब्ध करवाने की पुरानी क्षमता को हासिल करना होगा, किन्तु इसके लिए चरागाह विकास की कोई योजना आज तक सही तौर पर बनी ही नहीं है। इस बार भी हमने इसकी अनदेखी जारी रखी है। सस्ता चारा पशुपालन का आधार है, जिससे पशुपालन लाभदायक बनेगा, तो बेसहारा पशुधन की समस्या भी नियन्त्रित होगी। पॉवर टिलर को सब्सिडी देकर प्रोत्साहित किया गया है। इसके कारण बैल तो अब लगभग समाप्त ही हो गए हैं। सारे बैल तो सड़कों पर घूम रहे हैं। अतः लिंग निर्धारित गर्भाधान व्यवस्था पर जोर दिया जाना चाहिए, ताकि ज्यादातर बछिया ही पैदा हों। इस दिशा में कोई पहल नहीं की गई है। वनीकरण के लिए 32 फीसदी भूमि को वनों के अधीन लाने के लिए महिला मंडलों और स्वयं सहायता समूहों को जोड? की पहल स्वागत योग्य है, किन्तु इसके साथ वन अधिकार कानून के अंतर्गत बनाई गई ग्राम वन प्रबन्धन समितियों को, जहां जहां ये बन गई हैं, प्राथमिकता दी जानी चाहिए। ये समितियां कानूनी रूप से अधिक सक्षम भी हैं और अधिक स्थायी भी। वन प्रबन्धन के लिए स्थायित्व बहुत महत्वपूर्ण तत्व है। बागवानी के लिए शिवा परियोजना को चंबा तक विस्तार दिया जाना चाहिए था। चंबा आकांक्षी जिला होने के बावजूद कई पहलों में छूट जाता है। मछली पर, बजट दबाव के बावजूद रायल्टी घटाना अच्छी पहल है। मछली पालन के लिए अन्य सुविधाएं भी स्वागत योग्य हैं। टिकाऊ पर्यटन के लिए नीति और प्रशिक्षण दूरदृष्टि का परिचायक है। हिमाचल में आपदा मुक्त विकास की अवधारणा पर काम करने की अत्यंत आवश्यकता है।

राशिफल

मेष राशि :- सामाजिक कार्यों में प्रतिष्ठा, प्रभुत्व वृद्धि, कार्यकुशलता से संतोष होगा।

वृष राशि :- व्यर्थ थकावट, बेचैनी, मानसिक विभ्रम, धन का व्यय, भ्रमणशील स्थिति रहेगी।

मिथुन राशि :- विशेष कार्य स्थिगित रखें, सामाजिक कार्यों में प्रभुत्व वृद्धि, रुके कार्य बनेंगे।

कर्क राशि :- इष्ट मित्रों से सुख-ऐश्वर्य व विलास में दिन बीतेगा तथा सुख-समृद्धि बनेगी।

सिंह राशि :- सामाजिक कार्यों में समय बीते, प्रतिष्ठा बढ़े, समय पर सोचे कार्य पूर्ण अवश्य होंगे।

कन्या राशि :- दूसरों के कार्यों में समय-शक्ति नष्ट न करें, व्यवसायिक क्षमता में वृद्धि होगी।

तुला राशि :- अनायास विभ्रम मानसिक बेचैनी तथा स्वभाव नर्म-गर्म रहेगा, समय का ध्यान रखें।

वृश्चिक राशि :- विशेष कार्य स्थिगित रखें, लेनदेन के मामले में हानि होगी, कार्य अवरोध से बचें।

धनु राशि :- मानसिक बेचैनी, उद्विघ्नता एवं असमर्थता का वातावरण बना ही रहेगा।

मकर राशि :- क्रोध व अशांति से बचिये, मानसिक-विभ्रम तथा व्यवस्था नष्ट हो सकती है।

कुंभ राशि :- नवीन योजना फलप्रद हो, कार्यकुशलता से संतोष अवश्य ही होवेगा।

मीन राशि :- इष्ट मित्र से तनाव व क्लेश, अशांति से बचिये, मनोबल अवश्य ही बढ़ेगा।

भारत की जीवन बीमा कंपनियों ने वित्त वर्ष 2025 में 6.30 लाख करोड़ का लाभ प्रदान किया, जिससे वे घरेलू वित्तीय सुरक्षा के एक मजबूत स्तंभ के रूप में उभरीं

जबलपुर। भारत का जीवन बीमा क्षेत्र परिवारों की सुरक्षा और दीर्घकालिक वित्तीय नियोजन में सहायता करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहता है। क्ष्ख्अक की नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट 2024-25 के अनुसार, जीवन बीमा कंपनियों ने वित्त वर्ष 2025 के दौरान कुल 6.30 लाख करोड़ का लाभ भुगतान किया। यह आंकड़ा इस बात का प्रमाण है कि जीवन बीमा उद्योग भारतीय परिवारों को जीवन के सभी चरणों में, सुरक्षा से लेकर सेवानिवृत्ति और धन सृजन तक, किस स्तर का समर्थन प्रदान करता है।

"भारत के जीवन बीमाकताओं का परिचालन स्तर, जैसा कि निरंतरता, लाभ भुगतान और सॉल्वेंसी सीमा के प्रमुख आंकड़ों से स्पष्ट है, जीवन बीमा की भूमिका को घरेलू संपत्ति के भंडार के रूप में रेखांकित करता है जो तरलता और दीर्घकालिक स्थिरता दोनों प्रदान करता है।" यह तथ्य कि 92% भुगतान जीवन निर्वाह लाभों के लिए किए गए हैं, उद्योग की भूमिका को न केवल एक सुरक्षा प्रदाता के रूप में, बल्कि एक दीर्घकालिक वित्तीय भागीदार के रूप में भी उजागर करता है जो परिवारों के लिए वित्तीय निरंतरता सुनिश्चित करता है। अपने अभियानों के माध्यम से, हम लोगों को जीवन बीमा की शक्ति के बारे में जागरूक करना जारी रखेंगे, जो परिवारों की वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ-साथ उन्हें एक विश्वसनीय वित्तीय भंडार बनाने में सक्षम बनाता है। भारत की जीवन बीमा कंपनियों के व्यावसायिक दर्शन को समझाते हुए बीमा जागरूकता समिति (क्अउ-छी) के अध्यक्ष कमलेश राव ने यह बात कही।

Life Insurance Council
Together in service

कुल भुगतान किए गए लाभों में से 2.33 लाख करोड़ निकासी और समर्पण के मद में हैं, जो पिछले वर्ष की तुलना में 1.77% अधिक है। चूंकि निरंतरता अनुपात मजबूत बना हुआ है, यह नियोजित जीवनचक्र निकास का संकेत देता है। पॉलिसीधारक अपने परिवारों को जीवन के लक्ष्यों को पूरा करने में सक्षम बनाने के लिए धन का उपयोग कर रहे हैं, जैसे कि बच्चों की शैक्षणिक गतिविधियाँ, अपना खुद का घर खरीदना, विदेश में छुट्टियां मनाना आदि। हालांकि जीवन बीमा को हमेशा से ही वित्तीय सुरक्षा के लिहाज से उच्च सम्मान प्राप्त रहा है, लेकिन अब पॉलिसी के लाभार्थी पॉलिसी से प्राप्त धनराशि का उपयोग अन्य मूल्यवान उद्देश्यों के लिए भी कर रहे हैं। जीवन बीमा के उत्पाद पोर्टफोलियो का विकास, जिसमें अब बच्चों की योजनाएं, वार्षिकी पॉलिसियां, बाजार से जुड़े लाभ आदि शामिल हैं, का अर्थ है कि उपभोक्ता अपने जीवन के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए पॉलिसी से प्राप्त राशि को नई पॉलिसियों में पुनर्निवेश कर सकते हैं।

हालांकि लाभ भुगतान शुद्ध प्रीमियम आय का 71.92% है, फिर भी सॉल्वेंसी अनुपात नियामक सीमाओं से ऊपर बना हुआ है। क्ष्ख्अक की 2024-25 की वार्षिक रिपोर्ट में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है कि 31.03.2025 तक सभी जीवन बीमाकताओं ने 1.50 के न्यूनतम निर्धारित सॉल्वेंसी अनुपात (सॉल्वेंसी का नियंत्रण स्तर) का अनुपालन किया था। बीमाकताओं ने मजबूत परिसंपत्ति देयता मिलान ढांचे, रूढ़िवादी मृत्यु दर संबंधी अनुमानों और क्ष्ख्अक द्वारा अनिवार्य मजबूत सॉल्वेंसी मार्जिन के माध्यम से इसे प्रबंधित किया है।

चेतक स्क्रीन अवाड्स: 24 नॉमिनेशंस के साथ 'धुरंधर' सबसे आगे

5 अप्रैल के समारोह से पहले 'सैयारा' और 'होमबाउंड' भी दौड़ में शामिल।

मुंबई। द इंडियन एक्सप्रेस ग्रुप की 'स्क्रीन एकेडमी' ने आगामी 5 अप्रैल को होने वाले 'चेतक स्क्रीन अवाड्र्स' के लिए सभी 31 श्रेणियों में नामांकनों की घोषणा कर दी है। यह समारोह 2025 की सर्वश्रेष्ठ हिंदी फिल्मों और डळळ कंटेंट के सम्मान में आयोजित किया जाएगा। आदित्य धर की स्पाय थ्रिलर 'धुरंधर' 24 नॉमिनेशंस के साथ सबसे आगे रही, जबकि मोहित सूरी की 'सैयारा' ने 17 और नीरज घेवान की 'होमबाउंड' ने 15 श्रेणियों में अपनी जगह बनाई। ये नॉमिनेशंस थिएटर और डळळ, दोनों प्लेटफॉर्म्स की फिल्मों के लिए हैं, जो आज के भारतीय सिनेमा की बदलती तस्वीर को दशार्ते हैं। **पूरी तरह निष्पक्ष और केवल योग्यता पर आधारित प्रक्रिया :** 1995 में शुरू हुए 'स्क्रीन अवाड्र्स' अपनी संपादकीय निष्पक्षता के लिए जाने जाते हैं। इसका संचालन 'स्क्रीन एकेडमी' करती है, जो 50 से अधिक दिग्गज फिल्मकारों, कलाकारों और सांस्कृतिक क्षेत्र से जुड़े दिग्गजों की एक स्वतंत्र, गैर-लाभकारी संस्था है। इस साल, एकेडमी के 95% से ज्यादा सदस्यों ने वोटिंग में हिस्सा लिया। पारदर्शिता बनाए रखने के लिए 'ओलंपिक पद्धति' का इस्तेमाल किया गया, जिसमें हर कैटेगरी को औसतन 38-40 विशेषज्ञों ने परखा।इस प्रक्रिया को और अधिक सटीक बनाने के लिए, यूनिवर्सिटी ऑफ सदर्न कैलिफोर्निया (वरउ) के स्कूल ऑफ सिनेमैटिक आट्र्स में सिनेमा और मीडिया स्टडीज की चेयरपर्सन, प्रोफेसर प्रिया जयकुमार ने एक खास स्कोरिंग सिस्टम तैयार किया है, जिसके आधार पर एकेडमी के सदस्य फिल्मों को अंक देते हैं। 20 वर्षों में पहली बार, कोई फिल्म अवॉर्ड शो लाइव टेलीकास्ट होगा। 'द इंडियन एक्सप्रेस ग्रुप' की डिजिटल-फर्स्ट अप्रोच के तहत, यूट्यूब के साथ खास साझेदारी के जरिए इसे दुनिया भर के दर्शकों के लिए मुफ्त उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही, इसका सीधा प्रसारण सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन और सोनी लिव पर भी होगा।

राम नाम संकीर्तन से गूंजी गलियां

श्री हनुमान मंदिर आदर्श नगर से निकली प्रभात फेरी

जबलपुर। श्री रामनवमी महोत्सव के उपलक्ष में नर्मदा रोड स्थित श्री हनुमान मंदिर आदर्श नगर से 24 मार्च को प्रातः संकीर्तन प्रभात फेरी निकाली गई। प्रभात फेरी में शामिल भक्ति राम नाम संकीर्तन करते हुए निकले। आदर्श नगर की गलियां राम नाम संकीर्तन एवं राधे-राधे से गूंज उठी। विभिन्न मार्गो में भ्रमण करने के बाद संकीर्तन प्रभात फेरी श्री गुरुद्वारा आदर्श नगर पहुंची, जहां सिख समाज द्वारा संकीर्तन में शामिल भक्तों का जोरदार अभिनंदन किया गया। इस दौरान मंदिर समिति के सदस्य एवं समस्त कॉलोनी वासी उपस्थित रहे।

नेहा धूपिया ने खारिज कीं शो ट्रेटर का हिस्सा बनने की अफवाहें

मुंबई। अभिनेत्री नेहा धूपिया ने करण जौहर के रियलिटी शो ट्रेटर से जुड़े अपने नाम को लेकर चल रही सभी अटकलों पर विराम लगा दिया है। नेहा धूपिया ने सोशल मीडिया पर एक दिलचस्प और हल्का-फुल्का संदेश साझा किया, जिसमें लिखा था, न मैं ट्रेटर हूं और न ही मासूम, मैं तो बस प्तडबल डेट में व्यस्त हूं। जल्द आ रहा है, इस तरह उन्होंने सभी अफवाहों को साफ कर दिया। हालांकि उनके इस संदेश ने लोगों के बीच नई उत्सुकता भी पैदा कर दी है। कई लोगों का मानना है कि यह डबल डेट दरअसल उनके अपने आने वाले टॉक शो की ओर इशारा है, जो इंटरनेट मंच पर प्रसारित हो सकता है। पिछले कुछ दिनों में नेहा अपने पति अंगद बेदी के साथ कई चर्चित जोड़ों के साथ नज? आई हैं, जिनमें तेजस्वी प्रकाश और करण कुंद्रा, रिया चक्रवर्ती अपने भाई शोविक चक्रवर्ती के साथ, और रकुल प्रीत सिंह एवं जैकी भगनानी शामिल हैं। दिलचस्प बात यह रही कि इन सभी ने डबल डेट का जिक्र किया। नेहा धूपिया के करीबी सूत्र ने बताया कि नेहा का यह संदेश एक स्मार्ट और हल्का तरीका है अफवाहों का जवाब देने का, साथ ही वह जिस नए काम पर काम कर रही हैं, उसके लिए उत्सुकता भी बढ़ा रहा है। डबल डेट कोई संयोग नहीं है, हाल ही में उनके कई चर्चित जोड़ों के साथ दिखने में एक पैटर्न नज? आ रहा है। यह उनका अंदाज है बिना ज्यादा बताए एक घोषणा करने का, और इसने लोगों के बीच चर्चा जरूर बढ़ा दी है।

आज ही बनाएं अपनी खुद की न्यूज वेबसाइट
NEW WEBSITE
बने न्यूज वेबसाइट के मालिक..

संपर्क करें 7415685293

अधिकारियों पर पकड़ इतनी मजबूत कि बिना इशारे नहीं चलता काम, वर्षों से जमे बाबुओं पर कार्रवाई की मांग तेज

जनजातीय कार्य विभाग में "सुपर बाबू" का राज, भ्रष्टाचार और सेटिंग के गंभीर आरोप

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी। जनजातीय कार्य विभाग में इन दिनों अव्यवस्था और कथित मनमानी को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। विभाग में कुछ बाबुओं का ऐसा बोलबाला बताया जा रहा है कि बिना उनकी मर्जी कोई भी काम आगे नहीं बढ़ता। खासतौर पर एक कर्मचारी, जिसे विभाग के भीतर ह्लसुपर बाबूह्व कहा जा रहा है, खुद को किसी अधिकारी से कम नहीं समझता।

कर्मचारियों पर दबाव

सूत्रों के अनुसार, यह कर्मचारी न केवल आम लोगों बल्कि अपने ही सहकर्मियों पर भी दबाव बनाता है। हालात यह हैं कि अधिकारी भी कई मामलों में उससे पूछे बिना निर्णय लेने से कतराते हैं, जिससे विभागीय अनुशासन पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

सेटिंग का खेल

बताया जाता है कि उक्त कर्मचारी का मुख्य कार्य ह्लसेटिंगह्व करना बन चुका है, जबकि वह अन्य कर्मचारियों के कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप करता है। विभाग में माहौल ऐसा है कि बिना उसके माध्यम के कई कामों का निपटारा संभव नहीं होता। आम जनता परेशानः लोगों को उससे मिलने के लिए घंटों इंतजार करना पड़ता है, तब जाकर कहीं काम हो पाता है। इससे आम नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है और विभाग की कार्यप्रणाली पर अविश्वास बढ़ रहा है।

बिगड़ती छवि

जानकारों का कहना है कि जनजातीय कार्य विभाग की पहचान अब ह्लभ्रष्टाचार और सेटिंग के समुद्रह्व के रूप में बनती जा रही है। चिंताजनक यह है कि विभाग में आने वाले अधिकारी भी इस छवि को सुधारने के लिए कोई ठोस पहल करते नजर नहीं आते।

सुधार की जरूरत

यदि शासन-प्रशासन वास्तव में इस विभाग में सुधार करना चाहता है, तो सबसे पहले लंबे समय से जमे, काम के प्रति लापरवाह और कथित रूप से सेटिंगबाज बाबुओं का स्थानांतरण किया जाना आवश्यक है। इसके साथ ही, इन कर्मचारियों द्वारा निपटाए गए प्रकरणों और फाइलों की निष्पक्ष जांच भी कराई जानी चाहिए।

जांच से खुलेगा सच

विभाग में प्राप्त शिकायतों पर क्या कार्रवाई हुई और उनके परिणाम क्या रहे, इसकी पारदर्शी समीक्षा से पूरी कार्यप्रणाली का वास्तविक चित्र सामने आ सकता है, अन्यथा आरोपों का दायरा और गहराता जाएगा तथा आम जनता का भरोसा पूरी तरह खत्म होने का खतरा बना रहेगा।

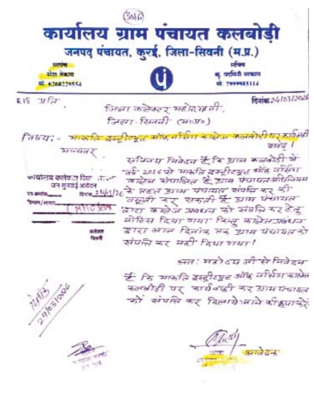

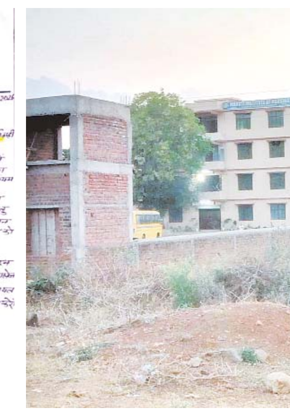

चार मंजिला भवन बिना अनुमति खड़ा पंचायत टैक्स भी नहीं चुकाया — सरपंच ने कलेक्टर जनसुनवाई में खोली पोल

"नियमों को ठेंगा! कलबोड़ी में मारुति नर्सिंग कॉलेज पर अवैध निर्माण और टैक्स चोरी का आरोप"

दैनिक रेवांचल टाइम सिवनी। नियमों की खुलेआम अनदेखी और प्रशासनिक सिस्टम को चुनौती देने का मामला ग्राम पंचायत कलबोड़ी में सामने आया है, जहां मारुति नर्सिंग कॉलेज प्रबंधन पर अवैध निर्माण और पंचायत टैक्स न चुकाने के गंभीर आरोप लगे हैं। ग्राम पंचायत के सरपंच नरेश ने इस पूरे मामले को लेकर कलेक्टर जनसुनवाई में शिकायत दर्ज कराते हुए कॉलेज प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए हैं।

शिकायत के अनुसार, कॉलेज प्रबंधन ने बिना किसी वैधानिक अनुमति के ही चार मंजिला भवन का निर्माण कर लिया। इतना ही नहीं, अब तक संपत्ति कर और भूमि कर जैसे अनिवार्य पंचायत करों का भुगतान भी नहीं किया गया है। सरपंच का आरोप है कि इस संबंध में पहले भी कॉलेज प्रबंधन को विधिवत नोटिस देकर पंचायत कार्यालय में उपस्थित होकर कर जमा करने के लिए कहा गया, लेकिन प्रबंधन ने इसे पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया। मामला जनपद पंचायत कुरई तक पहुंचा, लेकिन वहां भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई, जिसके बाद सरपंच को मजबूर होकर कलेक्टर जनसुनवाई का दरवाजा खटखटाना पड़ा। सबसे बड़ा सवाल यह है कि बिना अनुमति चार मंजिला भवन कैसे खड़ा हो गया? क्या संबंधित विभागों को इसकी भनक नहीं लगी या फिर जानबूझकर अनदेखी की गई? ग्राम पंचायत ने प्रशासन से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाए और बकाया टैक्स की तत्काल वसूली सुनिश्चित की जाए। अब देखना होगा कि प्रशासन इस मामले में कार्रवाई करता है या फिर यह मामला भी फाइलों में दबकर रह जाएगा।

मां खैरापति मंदिर में 45 वर्षों से अखंडित परंपरा, 65 कलश स्थापना के साथ भक्ति और उत्साह का अद्भुत संगम

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी – नगर के मंगलीपेठ स्थित कस्तूरबा वार्ड में विराजमान मां खैरापति मंदिर इन दिनों गहन आस्था, श्रद्धा और धार्मिक उत्साह का केंद्र बना हुआ है। बीते लगभग 45 वर्षों से निरंतर चली आ रही इस गौरवशाली परंपरा के तहत इस वर्ष भी पूरे विधि–विधान, मंत्रोच्चार और भक्तिभाव के साथ 21 मार्च को 65 कलश एवं एक विशेष थप्पर कलश की स्थापना की गई। कलश स्थापना के साथ ही मंदिर परिसर और आसपास का पूरा क्षेत्र भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो गया है।

कलश स्थापना के बाद से प्रतिदिन सुबह–शाम पूजा–अर्चना, आरती, भजन–कीर्तन और धार्मिक अनुष्ठानों का सिलसिला निरंतर जारी है। बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचकर मां खैरापति के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त कर रहे हैं। पूरे वार्ड में आध्यात्मिक ऊर्जा और सकारात्मक वातावरण का अनुभव किया जा रहा है, जिससे क्षेत्र में धार्मिक एकता और सामाजिक समरसता भी मजबूत हो रही है। आयोजन के अंतर्गत 28 मार्च को विशेष हवन का आयोजन किया जाएगा, जिसमें सभी श्रद्धालु, भक्तगण एवं मोहल्लेवासी बड़ी संख्या में शामिल होकर यज्ञ में आहुति देंगे। यह हवन कार्यक्रम आयोजन का महत्वपूर्ण आध्यात्मिक केंद्र रहेगा, जिसमें क्षेत्र की सुख–समृद्धि, शांति और कल्याण की कामना की जाएगी। कार्यक्रम का भव्य समापन 29 मार्च को कलश विसर्जन के साथ होगा। इस अवसर पर आकर्षक एवं भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी, जिसमें सजीव धार्मिक माहौल, रंग–बिरंगी लाइटिंग और आधुनिक डिस्को लाइट की सजावट के बीच श्रद्धालु पूरे उत्साह और उल्लास के साथ शामिल होंगे। ढोल–नगाड़ों, भक्ति गीतों और जयकारों से वातावरण गूंज उठेगा, जिससे पूरे नगर में उत्सव जैसा दृश्य देखने को मिलेगा। कलश विसर्जन के पश्चात प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। इस भंडारे में नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। सभी के लिए प्रसाद की व्यवस्था श्रद्धा और सेवा भाव के साथ की जाती है, जिससे सामाजिक एकता और भाईचारे का संदेश भी प्रसारित होता है। इस संपूर्ण धार्मिक आयोजन को सफल बनाने में कस्तूरबा वार्ड की महिलाओं, पुरुषों, युवाओं एवं मंदिर समिति के सदस्यों की भूमिका अत्यंत सराहनीय रहती है। सभी लोग तन, मन और धन से सहयोग करते हुए इस परंपरा को जीवंत बनाए रखने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। इसके साथ ही नगर के गणमान्य नागरिकों और आसपास के क्षेत्रवासियों का सहयोग भी आयोजन को भव्यता और गरिमा प्रदान करता है। लगातार 45 वर्षों से अनुशासन, आस्था और सामूहिक सहभागिता के साथ आयोजित हो रहा यह धार्मिक कार्यक्रम न केवल सिवनी की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पहचान को सुदृढ़ कर रहा है, बल्कि नई पीढ़ी को भी परंपराओं से जोड़ते हुए एक नई प्रेरणा और कीर्तिमान स्थापित कर रहा है।

नगर में जल संरक्षण हेतु संगोष्ठी एक–एक बूंद बचाने की दिलाई शपथ

सिवनी। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा विकासखंड सिवनी के नगर विकास समिति द्वारा शीतला मंदिर प्रांगण में जल संरक्षण एवं संवर्धन को लेकर संगोष्ठी व जल मंदिर (प्याऊ)की स्थापना किया गया। कार्यक्रम जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत स्वैच्छिकता और सामुदायिक सहभागिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। नगर विकास प्रस्फुटन समिति रानीदुर्गावती वार्ड में मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम (उटउछअ्र) के छात्र–छात्राओं ने इसमें सक्रिय भूमिका निभाई। कार्यक्रम के दौरान जल संरक्षण को लेकर जनजागरुक करने नगरवासियों को पानी की एक–एक बूंद बचाने का संदेश दिया गया। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए परामर्शदाता कविता बेले ने कहा कि इस समय में जल का महत्व अत्यंत बढ़ गया है और यदि अभी से इसके संरक्षण के प्रयास नहीं किए गए, तो भविष्य गंभीर संकट का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने ह्लजल नहीं तो कल नहींह्व का संदेश देते हुए सभी से जल बचाने का संकल्प लेने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि जल संरक्षण के लिए छोटे–छोटे उपाय जैसे वाटर हार्वेस्टिंग, बोरी बंधान और सोख्ता गड्ढों का निर्माण कर सामूहिक सहभागिता के माध्यम से इस अभियान को सफल बनाया जा सकता है। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों को जल संरक्षण हेतु शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर विकासखंड समन्वयक मोनिका चौरसिया के मार्गदर्शन में परामर्शदाता कविता बेले, नगर विकास प्रस्फुटन समिति के अध्यक्ष अमिता गुप्ता,इंटर्न मिनाक्षी साहू,अजंना मालवी,मुस्कान राय सहित अन्य उपस्थित थे।

सिवनी बालाघाट सडक जल्द बनाने, सडक पर उतरे लोग, तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

बरघाट नगर रहा बंद, व्यापारियों ने बंद को किया समर्थन

बरघाट। युवा विचार मंच बरघाट के तत्वाधान में सोमवार को बरघाट पूरी तरह बंद रहा, व्यापारियों ने भी बंद को अपना समर्थन देकर सभी प्रतिष्ठान सुबह से ही बंद रखा। सिवनी बालाघाट हाइवे मार्ग का निर्माण कार्य जल्द कराने की मांग को लेकर 23 मार्च 2026 दिन सोमवार को बरघाट सुबह से ही पूर्णतः बंद रहा। हालांकि मेडिकल स्टोर, गैस एजेंसी, पेट्रोल पंप, दूध डेयरी एवं फल दुकानें खुली रही। युवा विचार मंच के तत्वाधान में मुख्यमंत्री के नाम बरघाट तहसीलदार अमृतलाल धुर्वे को ज्ञापन सौंपा गया है। नगर में व्यापारी, जनप्रतिनिधि सामाजिक संगठन कार्यकताओं ने बरघाट बंद को समर्थन देकर सभी प्रतिष्ठान बंद रखा गया, नगर में सुबह से ही प्रतिष्ठान नाश्ता होटल, भोजनालय, ढाबा, चाय दुकान, किराना दुकान सहित अन्य प्रतिष्ठान पूर्णतः बंद रहे। युवा विचार मंच के कार्यकताओं ने शांतिपूर्ण ढंग से धरना प्रदर्शन कर बरघाट तहसीलदार को 9 सूत्रीय मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा है।

9 सूत्रीय मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन– सोमवार को बरघाट पूर्णतः बंद रहा बरघाट के साथ साथ ग्रामीण इलाकों में भी बंद असर देखने को मिला धारना और बोरी गांव में प्रतिष्ठान बंद रखे गए। सिवनी से बालाघाट मार्ग पर हो रहे आए दिन सडक दुर्घटना में लोगों को जान गवाना पड़ रहा है। इसको लेकर युवा विचार मंच बरघाट के तत्वाधान में बरघाट सहित ग्रामीण इलाकों में बंद का असर देखने को मिला, लोगों ने अपनी मांगो के लेकर शांति पूर्ण तरीके से धरना प्रदर्शन किया। क्षेत्रवासियों ने मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार बरघाट को 9 सूत्रीय मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा है। नगर परिषद के सामने धरना प्रदर्शन के बाद तहसील कार्यालय पैदल जाकर तहसीलदार को ज्ञापन देकर अवगत कराते हुए बताया कि सिवनी बालाघाट हाइवे मार्ग कई वर्षों से जर्जर एवं सकरा है, विगत कुछ वर्षों से यातायात के दबाव के कारण वाहन चलाने यह मार्ग योग्य नहीं है, गड्ढों में तब्दील हो गया है जिससे लोगों को जन धन की हानि हो रही है इस मार्ग पर एम्बुलेंस से मरीजों एवं गर्भवती महिला को अस्पताल पहुंचाने में खांसी दिक्कत हो रही है। सिवनी से बालाघाट बालाघाट के बीच मार्ग के दोनों तरफ साइड सोल्डर गायब है, जल्द से जल्द सिवनी बालाघाट हाइवे मार्ग का निर्माण कराया जाए , सडक निर्माण कार्य पूर्ण होने तक टोल टैक्स वसूली बंद किया जाए, सडक पर दुर्घटना से मृत्यु होने पर परिजनों को 25 लाख रुपए देने सहित अन्य मांगो को लेकर ज्ञापन सौंपा गया है। बंद को सफल बनाने में देव पवार, राजेंद्र ठाकुर, राधेश्याम टांडेकर, रोहित कुमार पटले, सुनील अग्रवाल, अनुराग पंद्रे सहित नगरवासी एवं क्षेत्रवासियों सराहनीय योगदान रहा है।

"3.05 करोड़ के निर्माण में खेल! वैनगंगा उद्गम स्थल पर गड़बड़ी के आरोप, सूचना पटल बना मजाक"

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी। जिले की जीवनदायिनी वैनगंगा नदी के उद्गम स्थल पर पर्यटन विभाग द्वारा कराए जा रहे करीब 3 करोड़ 5 लाख रुपये के निर्माण कार्य में गंभीर अनियमितताओं और लापरवाही के आरोप सामने आए हैं। करोड़ों की लागत से चल रहे इस प्रोजेक्ट में न तो पारदर्शिता नजर आ रही है और न ही गुणवत्ता के मानकों का पालन होता दिख रहा है। चार माह से जारी निर्माण कार्य के बावजूद लंबे समय तक स्थल पर सूचना पटल तक नहीं लगाया गया। जब इस मुद्दे को लेकर समाचार प्रकाशित हुआ, तब विभाग हरकत में आया और आनन–फानन में बोरिंग कराई गई, लेकिन उसमें भी पर्याप्त पानी नहीं निकल पाया। उपयंत्री द्वारा लगभग 2 इंच पानी निकलने और तराई होने का दावा किया जा रहा है, जबकि ग्राम पंचायत सचिव विजय राहंगडाले ने स्पष्ट कहा कि बोर गलत स्थान पर किया गया, इसी कारण पानी नहीं मिला। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि सूचना पटल के नाम पर केवल एक बैनर बनाकर उसे पेड़ से रस्सी के सहारे टांग दिया गया है, जो करोड़ों के निर्माण कार्य का मजाक बनकर रह गया है। जहां छोटे–छोटे कार्यों में भी स्थायी शिलालेख लगाए जाते हैं, वहीं इस बड़े प्रोजेक्ट में इस तरह की लापरवाही कई सवाल खड़े करती है। निर्माण कार्य की गुणवत्ता को लेकर भी गंभीर चिंताएं सामने आई हैं। पेड़ों के चबूतरों में तराई न होने से सीमेंट झड़ने लगी है, वहीं सीसी सड़क सहित अन्य कार्य भी मानकों के अनुरूप नहीं बताए जा रहे। सबसे चिंताजनक स्थिति 7 फीट गहरे कुंड की है, जिसे बिना पर्याप्त सुरक्षा के खुला छोड़ दिया गया है। सुरक्षा के नाम पर केवल हरि नेट लगाई गई है, जो किसी भी समय हादसे का कारण बन सकती है। ग्रामीणों के अनुसार, निर्माण कार्य पेटी ठेकेदारी के माध्यम से कराया जा रहा है। स्थानीय स्तर पर पेटी ठेकेदार द्वारा काम कराया जा रहा है, जबकि मुख्य ठेकेदार बाहर का बताया जा रहा है, जिससे निगरानी और जवाबदेही पर भी सवाल उठ रहे हैं। संत आशिवार्दास जी ने भी निर्माण कार्य पर नाराजगी जताते हुए कहा कि पूरा काम ह्लभगवान भरोसेह्व चल रहा है और इसकी गुणवत्ता की निष्पक्ष जांच कराई जानी चाहिए। ग्रामीणों में इस पूरे मामले को लेकर आक्रोश है। उनका कहना है कि वैनगंगा जैसी पवित्र और महत्वपूर्ण नदी के उद्गम स्थल पर इस तरह की अनियमितताएं न केवल सरकारी धन की बबार्दी हैं, बल्कि क्षेत्र के धार्मिक और पर्यटन महत्व को भी प्रभावित कर रही हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि पूरे निर्माण कार्य की निष्पक्ष जांच कराई जाए, गुणवत्ता परीक्षण कराया जाए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। अब देखना होगा कि प्रशासन इस गंभीर मामले को लेकर कितनी तत्परता दिखाता है।

होनहार छात्रा अवीरा सिंह ठाकुर उच्च अंकों से उत्तीर्ण

सिवनी । जिले में प्रसिद्ध सेंट फ्रांसिस स्कूल में अध्ययनरत होनहार छात्रा कुमारी अवीरा सिंह ठाकुर ने कक्षा दूसरी की वार्षिक परीक्षा 94 प्रतिशत से उत्तीर्ण की है। बचपन से ही होनहार छात्रा कु.अवीरा ने स्कूल की विभिन्न प्रतियोगिताओं जिसमें रेस, डांस, ड्राइंग, फैंसी ड्रेस तथा सॉन्ग कंपटीशन में भी अनेकों बार हिस्सा लिया है। जिसके लिए स्कूल द्वारा उन्हें स्मृति चिन्ह तथा प्रमाण पत्र देकर भी सम्मानित किया गया है। यहां यह उल्लेखनीय होगा कि कुमारी अवीरा सिंह ठाकुर, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जिला न्यायालय सिवनी की पैरालीगल वालंटियर श्रीमती राजेश्वरी सिंह एवं जर्नलिस्ट जितेन्द्र सिंह की सुपुत्री हैं। छात्रा की इस उपलब्धि पर स्कूल प्रबंधन सहित परिचितों ने उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

कार्यालय ग्राम पंचायत भोमा, जनपद पंचायत सिवनी, जिला–सिवनी (म.प्र.)

निविदा आमंत्रण

ग्राम पंचायत भोमा के वित्तीय वर्ष 2026-27 के अंतर्गत पंचायत क्षेत्र में कराए जाने वाले विभिन्न निर्माण एवं संधारण कार्यों हेतु सीलबंद निविदाएं (भाव पत्र) आमंत्रित की जाती हैं। जिसमें मुख्यतः सीसी रोड, नाली निर्माण, इंटरलॉकिंग/पेवर्स ब्लॉक, पुलिया निर्माण, मोटर संधारण, जल संसाधन एवं नल-जल योजना से संबंधित कार्य, प्रकाश व्यवस्था, इलेक्ट्रॉनिक/हार्डवेयर सामग्री, मिक्सर मशीन, वाइब्रेटर, रोड रोलर, पानी टैंकर आदि कार्य सम्मिलित हैं। इच्छुक ठेकेदार/फर्म निर्धारित शर्तों के अनुसार अपने भाव पत्र दिनांक 26/03/2026 से 04/04/2026 तक कार्यालयीन समय में ग्राम पंचायत भोमा में जमा कर सकते हैं। निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी, नियम एवं शर्तें कार्यालय में कार्यालयीन दिवसों में देखी जा सकती हैं। पंचायत को किसी भी/सभी निविदाओं को निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।

(सचिव) मुदस्सिर खान, ग्राम पंचायत भोमा
(सरपंच) श्रीमती नविता साहू, ग्राम पंचायत भोमा

कार्यालय ग्राम पंचायत बम्होडी जनपद पंचायत धनौरा जिला सिवनी

क्र./ 26/ग्रा.प./2025-26 दिनांक 21.03.2026

पेय जल योजना अतंर्गत पाइपलाइन सामग्री क्रय करने निविदा आमंत्रण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत बम्होडी जनपद पंचायत धनौरा जिला सिबनी पेय जल लाइल की सामग्री क्रय करने हेतु निविदा 23/03/2026 से आमंत्रित की जाती है, जिसमें सर्व दुकानदारो को सूचित किया जाता है कि पेय जल लाइन हेतु सामग्री का कोटेसन बंद लिफाफे में दिनांक 28.03.2026 तक कार्यालय समय सुबह 10.00 बजे से समय शाम 5.00 बज तक ग्राम पंचायत बम्होडी में जमा करे।

सामग्री का विवरण:-पाइप, मोटर, बायर, इसटाडर, किलेम्प, गिरिफ, पेय जय लाइल से सम्बधित अन्य सामग्री।

टीप– अधिक जानकारी ग्राम पंचायत बम्होडी के सूचना पटल पर देखी व पडी जा सकती है।

सरपंच मुखचैन उड़के | प्रभारी सचिव कुलदीप राय | ग्राम पंचायत बम्होडी

रोज. सहा. एवं समस्त पंचगण ग्राम पंचायत बम्होडी, जिला सिवनी

न्यायालय नजूल अधिकारी सिवनी जिला सिवनी

सिवनी रा.प्र.क्र 291अ-6/2025-26

ईश्तहार

परिशिष्ट में दी गयी नजूल भूमि पर अपना नाम दर्ज करनों हेतु आवेदक/आवेदिका मुकेश ठाकुर पिता स्व. श्री प्रकाश सिंह ठाकुर निवासी भैरोगंज महामाया वार्ड सिवनी तहसील व जिला सिवनी ने भूमि पर फौति के आधार पर नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। इस संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो वह दिनांक 20.03.2026 को नजूल अधिकारी सिवनी के न्यायालय में न्यायालयीन समय में उपस्थित होकर लिखित आपत्ति स्वयं अथवा मान्य अधिवक्ता के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते है। है। नियत तिथि के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति पर सुनवाई नहीं की जायेगी। यदि किसी कारणवश उक्त दिनांक को शासकीय अवकाश घोषित होता है तो प्रकरण की सुनवाई आगामी कार्य दिवस में होगी। वार्ड का नाम-महामाया वार्ड ब्लाक नंबर 14,प्लाट नंबर 99/1, 1115.00 वर्गफुट,फौति के आधार पर नामांतरण किये जाने वाबत।

जारी दिनांक 12/03/2026
पेशी दिनांक 26/03/2026 नजूल अधिकारी

31 मार्च तक संपत्तिकर–जलकर पेनाल्टी में बड़ी छूट

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी। नगर पालिका परिषद द्वारा आम नागरिकों को सूचित किया गया है कि शासन के निदेर्शानुसार दिनांक 31 मार्च 2026 तक संपत्तिकर एवं जलकर पर लगने वाली पेनाल्टी में विशेष छूट प्रदान की जा रही है। नगर क्षेत्र के ऐसे नागरिक जिन पर संपत्तिकर एवं जलकर बकाया है, वे इस अवसर का लाभ उठाते हुए अपने बकाया करों का भुगतान निर्धारित तिथि से पूर्व नगर पालिका कार्यालय में जमा कर सकते हैं। नगर पालिका द्वारा बताया गया है कि निर्धारित समय सीमा के भीतर कर जमा करने पर नागरिकों को पेनाल्टी से राहत मिलेगी, जिससे अतिरिक्त आर्थिक भार से बचा जा सकेगा। वहीं 31 मार्च 2026 के बाद पेनाल्टी पुनः लागू कर दी जाएगी और बकाया करों पर नियमानुसार अतिरिक्त शुल्क लिया जाएगा। नगर पालिका ने नागरिकों से अपील की है कि वे समय रहते अपने करों का भुगतान कर इस छूट का अधिकतम लाभ उठाएं।

एमपी में 5वीं का रिजल्ट 95%, 8वीं का 94% रहा

टॉप टेन जिलों में नरसिंहपुर नंबर वन, इंदौर का स्थान 9वां; भोपाल इस लिस्ट से बाहर

भोपाल। मध्य प्रदेश राज्य शिक्षा केंद्र ने बुधवार को कक्षा 5वीं और 8वीं का वार्षिक परीक्षा परिणाम जारी कर दिया है। स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने वल्लभ भवन में एक कार्यक्रम के दौरान बटन दबाकर रिजल्ट घोषित किया। इस साल 5वीं के 95.14% और 8वीं के 93.83% स्टूडेंट्स पास हुए हैं। दोनों कक्षाओं में छात्रों की तुलना में छात्राओं ने बेहतर प्रदर्शन किया है। 8वीं के पासिंग स्टूडेंट्स के परसेंटेज में स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह का नरसिंहपुर जिला नंबर वन पर है। इंदौर का 9वां स्थान है और भोपाल टॉप टेन से बाहर है। परिणाम देखने की प्रक्रिया को इस बार बेहद आधुनिक और आसान बनाया गया है। छात्र और अभिभावक राज्य शिक्षा केंद्र के पोर्टल पर जाने के अलावा, विभाग द्वारा जारी दफ कोड को स्कैन करके भी सीधे अपना रिजल्ट देख सकते हैं। इसके अलावा, स्कूल के प्राचार्य भी पोर्टल के जरिए अपने पूरे संस्थान का विद्यार्थीवार प्रदर्शन चेक कर सकेंगे।

शहरी की तुलना में ग्रामीण स्टूडेंट ज्यादा : इस साल 5वीं और 8वीं की परीक्षा में 23,68,984 छात्र शामिल हुए थे। 5वीं और 8वीं को मिलाकर कुल 16,78,567 छात्र ग्रामीण क्षेत्रों से थे। वहीं, शहरी छात्रों की संख्या मात्र 6,90,417 रही।

5वीं में शामिलः ग्रामीण स्टूडेंट 9,24,783 (72.45%) और शहरी 3,51,621 (27.55%) थे। छात्र 51.58% और छात्राएं 48.42% थीं।

8वीं में शामिलः ग्रामीण स्टूडेंट 7,53,784 (68.99%) और शहरी 3,38,796 (31.01%) थे। छात्र 51.27% और छात्राएं 48.73% थीं।

बोर्ड पैटर्न पर हुई थी परीक्षा : इस बार प्रदेश के सरकारी, निजी स्कूलों और मदरसों के करीब 23.68 लाख विद्यार्थियों ने बोर्ड पैटर्न पर परीक्षा दी थी। फरवरी में आयोजित इन परीक्षाओं के लिए प्रदेश भर में मूल्यांकन का विशाल कार्य किया गया। 322 केंद्रों पर 1.10 लाख से अधिक शिक्षकों ने कॉपियों की जांच की, जिसके बाद अंकों की ऑनलाइन प्रविष्टि की गई।

मध्यप्रदेश में तेल किल्लत की अफवाह, पेट्रोल पंपों पर भीड़

कई शहरों में कतारें लगीं; रतलाम में 5 दिन का स्टॉक एक दिन में खत्म

भोपाल। मध्य प्रदेश के कई जिलों में पेट्रोल-डीजल की कमी की अफवाह ने अचानक हालात बिगाड़ दिए हैं। सोशल मीडिया पर फैली भ्रामक खबरों के कारण लोगों में घबराहट फैल गई और पेट्रोल पंपों पर भारी भीड़ उमड़ पड़ी। कई जगहों पर लंबी कतारें लग गईं और लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ा। हालांकि, प्रशासन और पेट्रोल पंप संचालकों का साफ कहना है कि कहीं भी ईंधन की कमी नहीं है। पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और सप्लाई भी लगातार जारी है। इसके बावजूद लोग टैंक फुल करवा रहे हैं, जिससे कुछ जगहों पर अव्यवस्था की स्थिति बन गई।

शहरों के हालात

शाजापुर: बुधवार सुबह पेट्रोल-डीजल की किल्लत के कारण कई पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें लग गईं। राधा चौराहे, बस स्टैंड और बेरछा रोड स्थित एचपी पंपों पर एडवांस भुगतान न होने से सप्लाई बंद है जबकि टंकी चौराहे का भारत पंप भी खाली हो गया है। फिलहाल, रिलायंस पंप पर सीमित मात्रा में ईंधन मिल रहा है।

खरगोन: महेश्वर-बड़वाह रोड स्थित पेट्रोल पंप पर बुधवार सुबह करीब 400 वाहनों की कतार लग गई। भीड़ के कारण कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित हुआ। पंप संचालक ने बताया कि पर्याप्त स्टॉक है और सभी को जरूरत के अनुसार ईंधन दिया जा रहा है। कर्मचारियों ने स्थिति संभालकर व्यवस्था बनाई।

रतलाम: रतलाम में कुछ पेट्रोल पंप बंद हैं जबकि खुले पंपों पर भीड़ लगी हुई है। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए टू-व्हीलर में 200 रुपए और चार पहिया वाहनों में 1000 रुपए तक ही पेट्रोल-डीजल दिया जा रहा है। पंप संचालकों के अनुसार स्टॉक पर्याप्त है, लेकिन लोग जरूरत से ज्यादा ईंधन भरवा रहे हैं।

सेंधवा: सेंधवा में भी अफवाहों के बीच पेट्रोल पंपों पर सुबह से भीड़ बढ़ गई। पंप संचालकों और प्रशासन ने स्पष्ट किया कि ईंधन की कोई कमी नहीं है। लोगों से अनावश्यक भीड़ न करने की अपील की गई है।

आगर मालवा: पिपलोन कला के कुबड़िया खेड़ी पेट्रोल पंप पर सुबह से वाहनों की कतार लगी रही। पर्याप्त स्टॉक की जानकारी के बावजूद लोग टैंक फुल करवा रहे हैं। वहीं, कानड़ में मंगलवार रात भीड़ के बीच पहले पेट्रोल भरवाने को लेकर विवाद हो गया, जो मारपीट तक पहुंच गया। बाद में लोगों ने स्थिति को शांत कराया।

इटारसी: रेलवे स्टेशन के सामने स्थित पेट्रोल पंप पर भीड़ उमड़ पड़ी। दोपहिया और चारपहिया वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। भीड़ के कारण यातायात प्रभावित हुआ, हालांकि कर्मचारियों ने स्थिति संभाली। लेकिन दिनभर भीड़ बनी रही।

कुक्षी: बाग क्षेत्र के चार में से तीन पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल खत्म हो गया। नायरा पंप पर प्रति बाइक सिर्फ 100 रुपए का पेट्रोल दिया जा रहा है। अचानक बढ़ी पैनिक बाइंग के कारण स्टॉक खत्म हुआ। अब नए टैंकर मंगवाए गए हैं।

उज्जैन: उज्जैन में भी प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि पेट्रोल-डीजल की पर्याप्त उपलब्धता है। कलेक्टर रोशन कुमार सिंह के अनुसार, सप्लाई लगातार जारी है और आगे भी किसी तरह की कमी नहीं होगी।

अधिकारी बोले- भोपाल में 3 महीने के लिए पर्याप्त स्टॉक : भोपाल में पेट्रोल-डीजल की कोई कमी नहीं है। इसके बावजूद एयरपोर्ट रोड के एक पंप पर 200 रुपए तक पेट्रोल देने का मामला सामने आया, जिसकी शिकायत भी की गई है। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने लोगों से जरूरत के अनुसार ही ईंधन लेने की अपील की है। भोपाल के फूड कंट्रोलर चंद्रभान सिंह जादौन के अनुसार, शहर में 58.79 लाख किलोलीटर पेट्रोल-डीजल का स्टॉक है, जो ढाई से तीन महीने तक के लिए पर्याप्त है। मध्य प्रदेश पेट्रोल पंप ओनर एसोसिएशन के अनुसार, करीब 5 प्रतिशत पंपों पर एडवांस राशि की समस्या के कारण अस्थायी कमी है। कुल मिलाकर ईंधन की कमी नहीं है।

भोपाल के भौंरी स्थित इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम के डिपो से शहर के 192 पंपों को रोजाना 12 लाख लीटर डीजल और 9 लाख लीटर पेट्रोल की सप्लाई की जा रही है। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने अपील की है कि किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें।

बालाघाट में गैस एजेंसियों पर भी भारी भीड़ दिख रही बालाघाट में पेट्रोल पंपों के साथ गैस एजेंसियों पर भी भारी भीड़ देखने को मिली। एजेंसी संचालक के अनुसार स्टॉक पर्याप्त है, लेकिन अफवाहों के कारण सुबह से ही बड़ी संख्या में लोग पहुंच गए। भीड़ बढ़ने पर स्थिति संभालने के लिए पुलिस की मदद लेनी पड़ी।

इंडेन कंपनी का मैसेज- 31 से 32 दिन बाद दूसरा सिलेंडर

दो सिलेंडर कनेक्शन वालों को इंडेन की डिलीवरी की दूसरी तारीख 30 दिन बाद की दी जा रही है। इसके मैसेज भेजे जा रहे हैं। 26 दिन बाद बुकिंग फिर करीब 5-6 दिन की वेटिंग के बाद सिलेंडर की डिलीवरी हो रही है। यानी 31 से 32 दिन बाद दूसरा सिलेंडर मिलेगा।

ट्रेक्टर से भिड़कर कार के परखच्चे उड़े...3 दोस्तों की मौत

एक युवक की हालत नाजुक, गाड़ी काटकर निकाले गए, देर रात चाय पीने जा रहे थे

भोपाल। भोपाल में ट्रैक्टर ट्रॉली से आमने-सामने की भिड़ंत में कार सवार तीन युवकों की मौके पर मौत हो गई। चौथा गंभीर रूप से घायल है। हादसा मंगलवार रात ईंटखेड़ी थाना क्षेत्र के निपानिया इलाके में हुआ। पुलिस के मुताबिक, गुलाब मेहर चंदेरी गांव के सचिव हैं। उनकी पत्नी रेखा सरपंच हैं। उनका बेटा हर्ष मेहर, भतीजा सतीश मेहर, दोस्त लकी अहिरवार और गब्बर कार में रात 11:30 बजे चाय पीने के लिए गांव से निपानिया के लिए रवाना हुए। कुछ दूर जाने पर कार सामने से आ रही भूसे से भरी ट्रैक्टर ट्रॉली से टकरा गई। हादसे में हर्ष, सतीश और लकी की मौत हो गई। गब्बर गंभीर रूप से घायल है।

ट्रैक्टर की एक ही हेडलाइट जल रही थी

टक्कर इतनी भीषण थी कि कार की चेसिस को काटकर शव और घायल को बाहर निकालना पड़ा। शुरूआती जानकारी में सामने आया है कि ट्रैक्टर की केवल एक हेडलाइट जल रही थी, जिससे सामने आ रहे वाहन का सही अंदाजा नहीं लग सका।

कार चला रहा हर्ष मेहर बी. कॉम का छात्र था लखन कुशवाह उर्फ लकी (26) सागौनी गांव बैरसिया रोड का रहने वाला था और खेती करता था। हर्ष मेहर (23) ग्राम काछी बरखेड़ा का निवासी और बी. कॉम फाइनल ईयर का छात्र था। वह परिवार का इकलौता बेटा था। उसकी एक बड़ी बहन है। हादसे के समय वही कार चला रहा था। कार भी उसी की थी। सतीश मेहर (26) ग्राम काछी बरखेड़ा का रहने वाला था। वह पिता के साथ खेती करता था। परिवार में दूसरे नंबर का था, उससे बड़ा भाई और छोटी बहन है। योगेश सेन उर्फ गब्बर सेन (27) काछी बरखेड़ा का है। वह गंभीर रूप से घायल है, उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। योगेश भी अपने पिता के साथ खेती करता था।

भोपाल में दिव्यांग बच्चों के साथ सीएम ने मनाया जन्मदिन

महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं ने लगाई मेंहदी, लिखा- शक्ति का आशीर्वाद

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव आज अपना 61वां जन्मदिन मना रहे हैं। भोपाल में मुख्यमंत्री निवास में दिव्यांग बच्चों के साथ सीएम ने जन्मदिन मनाया। मप्र सरकार के मंत्रियों, विधायकों और बीजेपी के पदाधिकारियों, कार्यकताओं ने उन्हें सीएम हाउस पहुंचकर बधाई दी।

युवा मोर्चा के कार्यकताओं ने भेंट किया त्रिशूल : बीजेपी युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर के नेतृत्व में युवा मोर्चा के कार्यकर्ता सीएम हाउस पहुंचे। युवा मोर्चा के कार्यकताओं ने सीएम को त्रिशूल भेंट कर जन्मदिन की बधाई दी। **चिट्ठियां लेकर पहुंची महिलाएं** : बड़ी संख्या में बीजेपी महिला मोर्चा की कार्यकताओं ने सीएम को हाथ से लिखी चिट्ठियां भेंट कीं। इस दौरान बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष अश्विनी परांजपे, मंत्री कृष्णा गौर, प्रतिमा बागरी, महिला मोर्चा की महामंत्री मोना सुस्तानी मौजूद रहे। अलग-अलग तरह के गिफ्ट बॉक्स बनाकर महिलाएं सीएम हाउस पहुंचीं।

सीएम बोलेः बहनों के आशीर्वाद का दिन : सीएम ने कहा हमारी सरकार के गठन के बाद से बहनों का आशीर्वाद जिस प्रकार से मिला है। पूरे देश के लिए मप्र एक प्रकार से आकर्षक प्रदेश है। आज भले ही मेरा जन्मदिन हो लेकिन, वास्तव में आज का दिन बहनों के आशीर्वाद का दिन है।

सरकारी कार्यालयों में हेलमेट न पहनने पर जुमार्ना

बैतूल। बैतूल में सड़क सुरक्षा को लेकर प्रशासन ने सख्ती बढ़ा दी है। कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देश पर बुधवार को कलेक्ट्रेट और एसपी कार्यालय में हेलमेट जांच का विशेष अभियान चलाया गया। इस दौरान हेलमेट नहीं पहनने वाले 14 शासकीय कर्मचारियों पर चालानी कार्रवाई करते हुए कुल 4200 रुपये का जुमार्ना वसूला गया। कलेक्ट्रेट परिसर में डिप्टी कलेक्टर तृप्ति पटेरिया, कोतवाली थाना प्रभारी देवकरण डहरिया और यातायात पुलिस की संयुक्त टीम ने जांच की। अभियान के दौरान अधिकांश कर्मचारी हेलमेट पहने मिले। हालांकि, नियमों का उल्लंघन करने वाले 8 कर्मचारियों पर प्रति व्यक्ति 300 रुपये के हिसाब से कुल 2400 रुपये का जुमार्ना लगाया गया।

इसी तरह, एसपी कार्यालय में भी हेलमेट जांच अभियान चलाया गया। यहां एसपी वीरेंद्र जैन और एएसपी कमला जोशी की निगरानी में पुलिस कर्मियों और कार्यालय आने-जाने वाले कर्मचारियों के हेलमेट की जांच हुई। ट्रैफिक अमला और गंज थाना टीआई नीरज पाल भी मौके पर मौजूद रहे। एसपी कार्यालय में 6 कर्मचारियों के चालान बनाकर कुल 1800 रुपये की कार्रवाई की गई। इस प्रकार, दोनों स्थानों पर कुल 14 कर्मचारियों के खिलाफ चालानी कार्रवाई कर जुमार्ना वसूला गया।

लोकभवन राज्य की प्रशासनिक गरिमा का प्रतीक- राज्यपाल पटेल

राज्यपाल श्री पटेल ने सुदृढ़ीकृत नवनिर्मित प्रवेश द्वार का किया लोकार्पण

भोपाल। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने लोकभवन के प्रवेश द्वार क्रमांक- 2 के जीर्णोद्धार एवं सुदृढ़ीकरण कार्य का बुधवार को लोकार्पण किया। उन्होंने भारत माता के जयघोष के साथ फीता खोलकर प्रवेश द्वार का उद्घाटन किया। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि लोकभवन प्रदेश की प्रशासनिक गरिमा का प्रतीक है। प्रवेश द्वारों का सुदृढ़ और सुव्यवस्थित होना सुरक्षा के साथ ही राज्य की सांस्कृतिक स्थापत्य पहचान को भी सशक्त करता है। उन्होंने राज्य की सांस्कृतिक विशिष्टताओं के अनुरूप गेट निर्माण के लिए संबंधित विभागों की सराहना की। इस अवसर पर राज्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ. नवनीत मोहन कोठारी भी मौजूद थे। लोकभवन के प्रवेश द्वार क्रमांक- 1 एवं 2 के जीर्णोद्धार एवं सुदृढ़ीकरण कार्य की पूर्णता तक लगभग 98 लाख 65 हजार रुपयों की लागत आई है। प्रवेश द्वारों की संरचनात्मक सुदृढ़ीकरण, सौंदर्यीकरण, सुरक्षा मानकों को ध्यान में रखते हुए कार्य किए गए हैं, जिससे लोकभवन परिसर का स्वरूप और अधिक आकर्षक, सुरक्षित और सुविधाजनक हुआ है।

गांधी जयंती पर हुआ था प्रवेश द्वार क्र.- 1 का लोकार्पण

राज्यपाल श्री पटेल ने अप्रैल 2025 में लोकभवन के प्रवेश द्वार क्रमांक- 1 एवं 2 के जीर्णोद्धार एवं सुदृढ़ीकरण कार्य का भूमि-पूजन किया था। उन्होंने पूजा-अर्चना कर निर्माण कार्य की आधारशिला रखी थी। राज्यपाल श्री पटेल लोकभवन के प्रवेश द्वार क्र.- 1 के जीर्णोद्धार एवं सुदृढ़ीकरण कार्य के बाद विगत वर्ष गांधी जयंती के अवसर पर उसका लोकार्पण किया था। उसके बाद प्रवेश द्वार क्रमांक-2 का सुदृढ़ीकरण कार्य प्रारम्भ हुआ।

इस अवसर पर राज्यपाल के उप सचिव श्री सुनील दुबे, विशेष कर्तव्य अधिकारी श्री अरविंद पुरोहित, लोक निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता श्री संजय मस्के, वरिष्ठ अधिकारी, अभियंता तथा लोकभवन के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

सिलेंडर को माला पहनाकर बढ़ती कीमतों का विरोध

रायसेन। रायसेन में बुधवार को ब्लॉक कांग्रेस ने घरेलू गैस सिलेंडर की किल्लत और बढ़ती कीमतों के विरोध में महामाया चौक पर प्रदर्शन किया। कार्यकताओं ने खाली गैस सिलेंडरों को माला पहनाकर सड़क पर रखकर अपना विरोध जताया और तहसीलदार को राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन सौंपा। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष मनोज अग्रवाल और जीसी गौतम के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकताओं ने कहा कि आम जनता महंगाई से त्रस्त है। उन्होंने आरोप लगाया कि 8-8 दिनों तक कतार में लगने के बाद भी गैस सिलेंडर उपलब्ध नहीं हो पा रहे हैं। कार्यकताओं ने गैस सिलेंडर की बढ़ी हुई कीमतों को तत्काल वापस लेने की मांग की। राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन में केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ कड़ा आक्रोश व्यक्त किया गया। इसमें आरोप लगाया गया कि वर्तमान सरकार भ्रष्टाचार, महिला सुरक्षा और किसान विरोधी मुद्दों पर पूरी तरह निष्क्रिय है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारीयो ने जल्द से जल्द व्यवस्था सुधारने और आम जनता को राहत देने की मांग की।

इंदौर संभाग में जल गंगा संवर्धन अभियान को मिल रहा जनआंदोलन का रूप

अभियान के अंतर्गत आयोजित की जा रही हैं विभिन्न गतिविधियां

भोपाल । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर प्रदेशभर में संचालित ह्लजल गंगा संवर्धन अभियान-2026ह्व के अंतर्गत इंदौर संभाग में जल संरक्षण एवं संवर्धन को जनआंदोलन का रूप मिल रहा है। इंदौर संभाग में अभियान के तहत विभिन्न नवाचारपूर्ण गतिविधियों, जनभागीदारी कार्यक्रमों तथा जागरूकता प्रयासों के माध्यम से जल स्त्रोतों के संरक्षण, संवर्धन और पुनर्जीवन की दिशा में प्रभावी पहल की जा रही है।

बड़वानी में प्राचीन बावड़ी में श्रमदान कर की गई साफ-सफाई : कलेक?टर बड़वानी श्रीमती जयति सिंह ने बताया है कि देशव्यापी "जल गंगा संवर्धन अभियान" के अंतर्गत बड़वानी जिले के जल स्त्रोतों के संरक्षण और पुनर्जीवन का कार्य तेजी से किया जा रहा है। इसी कड़ी में नगर पालिका परिषद बड़वानी द्वारा मोटी माता स्थित प्राचीन बावड़ी की साफ-सफाई के लिए विशेष श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। नगर पालिका के कर्मचारियों, स्वच्छता मित्रों, विधिक सेवा प्राधिकरण और स्थानीय नागरिकों ने मिलकर प्राचीन बावड़ी परिसर में व्यापक श्रमदान कर बावड़ी से गंदगी, कचरा और गाद को बाहर निकाला गया, जिससे पारंपरिक जल स्त्रोतों को पुनर्जीवित कर जलस्तर में सुधार लाया जा सके।

झाबुआ में 65 ग्राम पंचायतों में जनसहयोग से 330 ट्राली मिट्टी तालाबों से निकाली गई : कलेक?टर झाबुआ श्रीमती नेहा मीणा ने बताया है कि जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान की शुरूआत जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों द्वारा श्रमदान कर तालाब में गाद निकासी के कार्य से की गई। जल संरक्षण के प्रति जनजागरूकता का संदेश दिया गया। अभियान अंतर्गत जिले की 65 ग्राम पंचायतों में जनसहयोग से जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन के कार्य प्रारंभ किए गए हैं। अब तक लगभग 330 ट्राली मिट्टी तालाबों से निकालकर किसानों द्वारा अपने खेतों में उपयोग की जा चुकी है, जिससे एक ओर जल स्त्रोतों की गहराई बढ़ रही है, वहीं दूसरी ओर भूमि की उर्वरता में भी वृद्धि हो रही है। इसके साथ ही जल गंगा संवर्धन अभियान 2025 के अंतर्गत अपूर्ण कार्यों को भी गति प्रदान की गई हैं।

कुक्षी और धरमपुरी में नदी पूजन एवं स्वच्छता गतिविधियों का आयोजन : धार जिले में भी ह्यजल गंगा संवर्धन अभियानह्ण के अंतर्गत जल स्त्रोतों के संरक्षण और पर्यावरण संवर्धन की गतिविधियां निरंतर जारी हैं। इसी क्रम में जन अभियान परिषद द्वारा विकासखंड कुक्षी और धरमपुरी में विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से जन-जागरूकता का प्रसार किया गया। कुक्षी के ग्राम भत्यारी में नर्मदा की सहायक नदी ओझर पर निर्मित बांध पर "नव शक्ति से नव भक्ति" कार्यक्रम आयोजित किया गया। उपस्थित जनसमूह ने जल स्त्रोतों के संरक्षण, स्वच्छता और उनके संवर्धन का संकल्प लिया। आयोजन का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों को जल की महत्ता और उसके संचयन के प्रति संवेदनशील बनाना रहा। इसी तरह विकासखंड धरमपुरी की ग्राम पंचायत डहीवर में नवांकुर सखियों द्वारा पीपल के वृक्ष का पूजन किया गया। इस अवसर पर ग्रामीणों को वृक्षों के धार्मिक और वैज्ञानिक महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। "जल शक्ति से नव भक्ति" के संदेश के साथ ही प्रकृति के प्रति सम्मान और संरक्षण की भावना को सुदृढ़ करने का आह्वान किया गया।

कावेरी नदी तट पर किया गया श्रमदान : "जल गंगा संवर्धन अभियान" के तहत खण्डवा जिले के ग्राम अटूटखास में कावेरी नदी के तट ह्लजल चौपालह्व आयोजित की गई। कार्यक्रम में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत अटूटखास के ग्रामीणों ने कावेरी नदी के घाटों की सफाई के लिए श्रमदान किया। कार्यक्रम में ग्रामीणों ने आपसी चर्चा कर जल स्त्रोतों की साफ-सफाई और सोख्ता गड्ढों के निर्माण के सम्बंध में सहमति व्यक्त की, ताकि वर्षा का जल व्यर्थ न बहे, बल्कि वर्षा का जल भूजल स्तर वृद्धि में सहायक सिद्ध हो।

बुरहानपुर में जल है तो कल हैह्व के संदेश के साथ ली गयी सामूहिक शपथ : बुरहानपुर जिले में अभियान के अंतर्गत जल स्त्रोतों के संरक्षण, पुनर्जीवन एवं वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देने के साथ-साथ जनसहभागिता के माध्यम से इसे जनआंदोलन का रूप देने के प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत नगर पालिका परिषद नेपानगर के वार्ड क्रमांक 11 एवं 22 में विभिन्न कार्य किये जा रहे हैं। वार्ड क्रमांक 22 बीड़ रैयत स्थित अतिप्राचीन धार्मिक स्थल सीतानहानी मंदिर परिसर में साफ-सफाई एवं श्रमदान किया गया। साथ ही उपस्थितजनों को जल स्त्रोतों के संरक्षण, स्वच्छता एवं भू-जल पुनर्भरण के प्रति जागरूक करते हुए ह्लजल है तो कल हैह्व के संदेश के साथ सामूहिक शपथ दिलाई गई। अभियान के तहत किए जा रहे इन प्रयासों से न केवल जल स्त्रोतों का संरक्षण सुनिश्चित होगा, बल्कि नागरिकों में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता भी बढ़ेगी।

पन्ना की धरती पर पहली बार गूंजी ट्रेन की सीटी, रेल ट्रायल सफल

दैनिक रेवांचल टाईम्स, पन्ना। सदियों से रेल का इंतजार कर रहे पन्ना जिले के लिए आज ऐतिहासिक दिन रहा, जब पहली बार ट्रेन का इंजन जिले की धरती पर पहुंचा और सायरन की गूंज सुनाई दी। गुनौर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम फुलवारी स्टेशन तक ट्रेन का सफल ट्रायल किया गया। इससे पहले सतना जिले के नागौद तक ट्रायल हो चुका था, लेकिन पन्ना में पहली बार ट्रेन पहुंचने से लोगों में खासा उत्साह देखा गया। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, नागौद से फुलवारी तक इंजन ट्रायल के दौरान नई बिछाई गई पटरियों और पुलों की गुणवत्ता का परीक्षण किया गया। देवेंद्रनगर और सकरिया रेलवे स्टेशनों का लगभग 90 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। वहीं सकरिया क्षेत्र में 350 मीटर लंबी भूमिगत टनल का निर्माण तेजी से जारी है, जिसके पूर्ण होते ही आगे के ट्रायल शुरू किए जाएंगे। पन्ना में बनने वाला रेलवे स्टेशन खास होगा, जिसे हीरा नगरी की पहचान के अनुरूप डायमंड आकृति में डिजाइन किया जा रहा है। यह स्टेशन सभी आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित होगा और पुरुषोत्तम ग्राम में निमार्णाधीन है। यह रेल लाइन पन्ना को अजयगढ़ होते हुए खजुराहो से जोड़ेगी, जिससे क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी। केन नदी पर पुल निर्माण सहित अन्य कार्य भी प्रगति पर हैं, साथ ही अजयगढ़ और बालूपुर में भी नए स्टेशन बनाए जा रहे हैं। रेल लाओ युवा संघर्ष मोर्चा के महामंत्री मनोज केसरवानी ने खुशी जताते हुए कहा कि यह लंबे संघर्ष का परिणाम है। वर्ष 1999 में इस परियोजना की घोषणा हुई थी, लेकिन बजट के अभाव में कार्य लंबित रहा। वर्ष 2009 से आंदोलन शुरू कर 2014 के बाद इस परियोजना को गति मिली। उन्होंने इसे पन्ना के विकास की दिशा में बड़ा कदम बताया।

पेट दर्द की शिकायत पर पहुंची थी, गांव के किशोर से प्रेम विवाह का दावा

जिला अस्पताल में भर्ती किशोरी 9 माह की गर्भवती निकली

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। जिले के बड़वारा थाना क्षेत्र में एक 17 वर्षीय नाबालिग किशोरी के नौ माह की गर्भवती होने का मामला सामने आया है। किशोरी को पेट दर्द की शिकायत के बाद जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां वह डॉक्टरों की विशेष निगरानी में है। अस्पताल प्रबंधन की सूचना पर पुलिस ने मामले की वैधानिक जांच और बयान दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

पेट दर्द की शिकायत पर अस्पताल पहुंची थी

किशोरी को अचानक पेट में तेज दर्द होने पर परिजन पहले बड़वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए थे। वहां प्राथमिक जांच में स्थिति संदिग्ध लगने पर डॉक्टरों ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। मंगलवार को जिला अस्पताल के विशेषज्ञों ने जांच के बाद किशोरी के नौ माह की गर्भवती होने की पुष्टि की, जिसके बाद महिला थाने को सूचित किया गया।

गांव के ही किशोर के साथ मंदिर में प्रेम विवाह का दावा

अस्पताल स्टाफ को दिए प्रारंभिक बयान में किशोरी ने बताया कि उसने अपने ही गांव के एक किशोर के साथ मंदिर में प्रेम विवाह किया था। शादी के बाद वे कुछ समय तक गांव से बाहर भी रहे थे। जिला अस्पताल के डिलीवरी वार्ड की इंचार्ज दुर्गा के अनुसार, किशोरी पूर्ण रूप से गर्भवती है और संभावना है कि उसकी डिलीवरी आज रात तक हो सकती है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार डेहरिया ने बताया कि नाबालिग के गर्भवती होने की सूचना मिलते ही पुलिस टीम सक्रिय हो गई है। पीड़िता के बयान दर्ज किए जा रहे हैं और चूंकि मामला नाबालिग से संबंधित है, इसलिए महिला थाने में सुसंगत धाराओं के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया जाएगा। पुलिस मामले के सभी कानूनी पहलुओं की जांच कर रही है।

मां फूलमती सेवा समिति द्वारा कराया गया विशाल भंडारा

दैनिक रेवांचल टाइम्स रीवा। जिला मुख्यालय रीवा अंतर्गत न्यू बस स्टैंड के पास बर्षो पुराना मां फूलमती का अद्भुत मंदिर है जहा पर मां फूलमती सेवा समिति के संरक्षक शैलेंद्र सिंह, महेंद्र सिंह और सूरज ताम्रकार के द्वारा विशाल भंडारा कराया गया। समिति संचालक ने बताया गया है कि मां फूलमती मंदिर विंध्य के रानी तालाब के बाद दूसरा स्थान आता है और लोगो के लिए आस्था के केंद्र बना हुआ है यहा पर कई लोगों की मनोकामना पूरी हुई है साथ ही नवरात्रि में कई वर्षों से मेला भी लगता है । भंडारे में फूलमती सेवा समिति सेवा समिति के अध्यक्ष डॉ. राबेन्द्र सिंह, सचिन, सतीश ताम्रकार, सह-सचिव राजीव सिंह गौतम, कोषाध्यक्ष रामकृष्ण ताम्रकार, मीडिया प्रभारी सूरज ताम्रकार एवं अरविंद ताम्रकार, पहलाद ताम्रकार (जानकी पार्क), अजय ताम्रकार (वेंकट रोड), कन्हैया लाल ताम्रकार, लवकुश ताम्रकार , गुरु ताम्रकार , शिब्बू ताम्रकार , सौरभ सिंह... महिला समिति से कोमल सिंह, किरण मिश्रा ,आशा ताम्रकार , ममता ताम्रकार , सपना ताम्रकार, शिवानी ताम्रकार का सराहनीय योगदान था।

लोक-भक्ति गायन एवं श्रीराम केंद्रित नृत्य नाटिका की होंगी प्रस्तुतियाँ

श्री रामनवमी पर आविर्भाव समारोह 27 मार्च को भरभरा आश्रम में

दैनिक रेवांचल टाईम्स, ढीमरखेड़ा। श्रीरामनवमी के पावन अवसर पर आविर्भाव सांस्कृतिक समारोह का आयोजन दिनांक 27 मार्च, 2026 को सायं 6:30 बजे से शिव मंदिर, भरभरा आश्रम, जनपद पंचायत ढीमरखेड़ा (कटनी) में किया जाएगा। जिला पंचायत की सीईओ सुश्री हरसिमरनप्रीत कौर के निर्देश पर तैयारी एवं आवश्यक व्यवस्थाओं तथा कार्यक्रम के सफल सुचारू संचालन हेतु जनपद पंचायत ढीमरखेड़ा के सीईओ यजुवेंद्र कोरी ने जनपद स्तरीय अधिकारियों कर्मचारियों को अलग अलग दायित्व सौंपे हैं।

अवगत होवे कि यह आयोजन श्रीरामचंद्र पथ गमन न्यास, संस्कृति विभाग द्वारा जिला प्रशासन, कटनी के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। यह सांस्कृतिक संध्या कला के विविध अनुशासनों में भगवान श्रीराम की

महिमा को समर्पित एक विशेष प्रस्तुति होगी। कार्यक्रम का शुभारंभ लोक गायन (बुंदेली) से होगा, जिसमें भगवानदास अहिरवार एवं उनके साथी कलाकार (जबलपुर) लोकधारा के माध्यम से प्रभु श्रीराम की महिमा का भावपूर्ण गुणगान प्रस्तुत करेंगे। इसके पश्चात नृत्य नाटिका ह्लपुरुषोत्तम श्रीरामह्व की आकर्षक प्रस्तुति डॉ. श्यामा पांडे एवं उनके साथी कलाकार (भोपाल) द्वारा दी जाएगी, जिसमें मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम के आदर्शों को नृत्य के माध्यम से सजीव किया जाएगा। समारोह की अंतिम प्रस्तुति भक्ति गायन के रूप में नितेश सिंह एवं उनके साथी कलाकार (बुरहानपुर) द्वारा दी जाएगी, जो संपूर्ण वातावरण को भक्ति रस से ओतप्रोत कर देगी। यह एक दिवसीय प्रतिष्ठित आयोजन होगा, जिसमें सम्माननीय जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। कार्यक्रम में प्रवेश पूर्णतः निःशुल्क रहेगा। समस्त श्रद्धालु एवं नागरिकगण सादर आमंत्रित हैं कि वे इस सांस्कृतिक संध्या में सहभागी बनकर पुण्य लाभ अर्जित करें।

वित्तीय अनियमितता के 7 प्रकरणों में जिपं सीईओ ने की सुनवाई

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। बुधवार को वित्तीय अनियमितता एवं आर्थिक गड़बड़ियों के प्रकरणों में जिला पंचायत की सीईओ सुश्री हरसिमरनप्रीत कौर ने मध्यप्रदेश पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम 1993 की धारा 89 के तहत सात ग्राम पंचायतों की एक-एक कर सुनवाई की। सुनवाई के दौरान जनपद पंचायत कटनी की ग्राम पंचायत हीरापुर कोड़ियां, जनपद पंचायत बड़वारा की ग्राम पंचायत बनगवा एवं जनपद पंचायत ढीमरखेड़ा की सनकुई, खमतरा, इमलिया, लालपुर और बरही ग्राम पंचायतों के तत्कालीन सरपंच, सचिव, ग्राम रोजगार सहायक,उपयंत्री एवं कार्यरत सरपंच, सचिव,ग्राम रोजगार सहायक और उपयंत्री आदि मौजूद रहे। जिला पंचायत की सीईओ सुश्री कौर ने ग्राम पंचायतों के पक्ष को अत्यंत धैर्यपूर्वक सुनते हुए प्रस्तुत दस्तावेजों एवं प्राप्त प्रतिवाद का मनन पूर्वक,गहन और सूक्ष्म रूप से अध्ययन किया। ग्राम पंचायतों की सुनवाई और अभिलेखों के परिशीलन के दौरान रीडर शाखा के प्रभारी अधिकारी पंकज नामदेव मौजूद रहे।

ओबीसी एससी एसटी एवं माइनॉरिटी के संयुक्त तत्वाधान में आज मनाई जाएगी सम्राट अशोक महान की जयंती

दैनिक रेवांचल टाइम्स रीवा। ओबीसी एससी एसटी एवं माइनॉरिटी के संयुक्त तत्वाधान में आज सम्राट अशोक महान की जयंती मनाई जाएगी। जयंती का कार्यक्रम दोपहर 2:00 बजे से प्रारंभ होगा जबकि विशाल शोभा यात्रा एवं पंचशील चुनरी यात्रा शाम 4:00 बजे से निकाली जाएगी ।

आयोजन समिति के अनुसार शोभायात्रा विंध्याचल बुद्ध विहार साई मंदिर के पास से प्रारंभ होकर घोड़ा चौराहा, प्रकाश चौराहा, अस्पताल चौराहा, सिरमौर चौराहा, कॉलेज चौराहा, शिल्पी प्लाजा एवं स्वागत भवन चौराहा होते हुए पुनः विंध्याचल बुद्ध विहार में समापन होगा। कार्यक्रम के अंतर्गत सामाजिक समानता एकता एवं बौद्ध धम्म के विचारों का प्रचार प्रसार किया जाएगा। समापन उपरांत भोजन दान सामाजिक संगोष्ठी का आयोजन भी किया जाएगा, जिसमें समाज के उत्थान शिक्षा अधिकार एवं समसामयिक विषयों पर विचार विमर्श होगा। इस अवसर पर माता सावित्रीबाई फुले, काशीराम, निषाद राज एवं वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी की जयंती भी संयुक्त रूप से मनाई जाएगी तथा उनके विचारों एवं योगदान को स्मरण किया जाएगा। आयोजन को सफल बनाने हेतु राजेश कुशवाहा बबलू संयोजक छोटेलाल रजक जिला अध्यक्ष पप्पू कन्नौजिया प्रदेश महासचिव महिला मोर्चा आशा सिंह पटेल एवं रेनू यादव रविराज बौद्ध युवा प्रतिनिधि एवं राकेश यादव सहसंयोजक अजय कुशवाहा संयुक्त रूप से समाज के सभी वर्गों से अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाएं और सामाजिक एकता का संदेश मजबूत करे।

आगामी 1 अप्रैल को मनाएं राष्ट्रीय काला दिवस-शिव सिंह

दैनिक रेवांचल टाइम्स रीवा ।किसान संघर्ष समिति के राष्ट्रीय महासचिव मोर्चे के नेता एडवोकेट शिव सिंह ने बताया कि संयुक्त किसान मोर्चे के राष्ट्रीय आवाहन को लेकर चार श्रम संहिताओं, मनरेगा कानून को बदलने, बीज विधेयक 2025, बिजली विधेयक 2025, भारत अमेरिकी व्यापार डील, आदि कानूनों के विरोध में तथा एमएसपी की गारंटी का कानून बनाने सहित तमाम राष्ट्रीय मुद्दों को लेकर आगामी 1 अप्रैल को देशभर में किसान मजदूर राष्ट्रीय काला दिवस मनाएंगे। शिव सिंह ने आरएसएस बीजेपी के नेतृत्व वाली मोदी सरकार के खिलाफ किसानों मजदूरों के साथ-साथ देश के आवाम से भी एकजुट होने की अपील की है।

अनिल गुप्ता बने नगर कांग्रेस अध्यक्ष, लोगों ने दी बधाई

दैनिक रेवांचल टाइम्स चाकघाट। रमध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा प्रदेश के नगरीय निकायों में नियुक्त नगर कांग्रेस अध्यक्ष के नाम की सूची जारी कर दिया गया हैं। इसी क्रम में चाकघाट वार्ड क्रमांक-04 पार्षद प्रतिनिधि अनिल गुप्ता को नगर कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस अवसर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष इंजीनियर राजेंद्र शर्मा, पूर्व त्योंथर विधानसभा कांग्रेस प्रत्याशी रमाशंकर सिंह पटेल, रीवा नगर निगम महापौर अजय मिश्रा बाबा सहित अन्य कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने अनिल गुप्ता के आवास में पहुंचकर मिठाईयां खिलाकर

शुभकामनाएं दी है। इसके साथ ही नए जिम्मेदारियां पर कांग्रेस कमेटी की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन भी किया गया है। जहां विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा किया गया है। इस दौरान रीवा शहर अध्यक्ष अशोक पटेल, ग्रामीण संगठन महासचिव रवि तिवारी, वरिष्ठ कांग्रेस नेता गिरीश सिंह, राजू सिंह, पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष राजेश केशरवानी, कमलेश गुप्ता कमलू, गुलाम मुर्तजा, नौशाद अली, नारायण दास केशरवानी, मोहन सोनी, यसविंत गुप्ता तमाम कांग्रेस के पदाधिकारी कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रहीं है।

अवैध अतिक्रमण के विरूद्ध हुई जिला प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने के कलेक्टर न्यायालय द्वारा पारित आदेश के पालन में मंगलवार और बुधवार को दो दिनों तक राजस्व और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने ग्राम खिरहनी पटवारी हल्का नं. 28 स्थित रपटा नाला की शासकीय भूमि पर कब्जा कर किए गए अवैध निर्माण को जेसीबी और पोकलेन मशीन चलाकर अतिक्रमण को नेस्तनाबूद कर दिया गया। कलेक्टर श्री आशीष तिवारी ने कलेक्टर न्यायालय द्वारा जारी आदेश में एसडीएम कटनी को रपटा नाला के अवैध अतिक्रमण को हटाने का निर्देश दिया था। इसी के पालन में अधिकारियों के दल ने पहुंच कर अवैध कब्जा कर बनवाई गई बाउंड्री वॉल के निर्माण को जमींदोज कर दिया। राजस्व निरीक्षक मंडल मुड़वारा 1 तहसील कटनी नगर स्थित खसरा नंबर 442 में नाले पर प्रवीण कुमार बजाज द्वारा नाले पर किये गये अवैध अतिक्रमण को हटाया गया। अधिकारियों द्वारा यह कार्यवाही कलेक्टर न्यायालय द्वारा पारित आदेश के परिपालन में की गई है। अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही के दौरान तहसीलदार कटनी अजीत तिवारी, नायब तहसीलदार संदीप सिंह, नायब तहसीलदरार साक्षी शुक्ला, नायब तहसीलदार अवंतिका तिवारी एवं पटवारी व राजस्व निरीक्षक के अलावा नगर निगम के अतिक्रमण दल प्रभारी मानवेन्द्र सिंह बघेल, अतिक्रमण दस्ता के सदस्य और पुलिस थाना एनकेजे के थाना प्रभारी श्री राजपूत एवं पुलिस बल भी मौके पर मौजूद रहा।

शिक्षा से ही बदलेगा भविष्य: रामपुर में विधिक साक्षरता शिविर, ग्रामीणों को किया जागरूक

दैनिक रेवांचल टाईम्स, ढीमरखेड़ा। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निदेर्शानुसार अध्यक्ष, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश जितेन्द्र कुमार शर्मा के मार्गदर्शन में ग्राम पंचायत रामपुर में 25 मार्च 2026 को विधिक साक्षरता शिविर आयोजित किया गया। कार्यक्रम में न्यायाधीश पूर्वी तिवारी ने महिलाओं और पुरुषों को शिक्षा के महत्व के बारे में सरल भाषा में समझाया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में रोजगार और बेहतर जीवन के लिए शिक्षित होना बेहद जरूरी है। बड़े उद्योग, कंपनियां और व्यापारिक क्षेत्र में वही व्यक्ति सफल हो सकता है, जो पढ़ा-लिखा हो। अशिक्षित व्यक्ति के पास सीमित अवसर होते हैं, जबकि शिक्षित व्यक्ति कहीं भी जाकर काम करने में सक्षम होता है। न्यायाधीश महोदय ने ग्रामीणों को बताया कि शिक्षा के अभाव में समाज का विकास रुक जाता है। विशेष रूप से उन्होंने बालिकाओं की शिक्षा पर जोर देते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में अक्सर बेटियों की पढ़ाई को नजरअंदाज कर जल्दी विवाह कर दिया जाता है, जिससे उनके भविष्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि बेटा-बेटी में भेदभाव न करते हुए दोनों को समान रूप से शिक्षा दिलाएं। शिविर में ग्रामीणों को यह भी बताया गया कि शिक्षित समाज ही मजबूत और जागरूक समाज बनाता है। उपस्थित लोगों ने ध्यानपूर्वक जानकारी सुनी और शिक्षा के प्रति जागरूक रहने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष राजेश प्यासी, अवधेश असाटी, जय किशोर शुक्ला सहित अन्य लोग भी मौजूद रहे। यह शिविर ग्रामीणों में शिक्षा और विधिक जागरूकता बढ़ाने की दिशा में उपयोगी साबित हुआ।

गणवेश मेले का आयोजन 28 मार्च से

कटनी । स्कूली बच्चों एवं अभिभावकों को प्रतिस्पर्धी एवं न्यूनतम दरों पर पाठ्य पुस्तकें, कॉपियां और गणवेश उपलब्ध करवाने के लिए कलेक्टर आशीष तिवारी की पहल पर कटनी शहर के सुभाष चौक के समीप स्थित साधूराम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परिसर में 28 मार्च से 30 मार्च तक जिला स्तरीय पुस्तक एवं गणवेश मेला का आयोजन किया गया है।

ओम होम हैल्थ केयर सर्विस
हमारे पास अशक्त बुजुर्ग मरीजों की देखभाल हेतु नर्स,वार्ड वॉय,आया बाई,फिजियोथैरेपी और दवाईयॉ घर पर उपलब्ध कराए जाते हैं।
प्रो.जितेन्द्र पटैल CERVIC - 24X7 Hourse
मो. 9340721556,9753518166
पता-केनरा बैंक महाराष्ट हॉई स्कूल मोल बाजार जबलपुर(म.प्र.)

पेट्रोल-डीजल का पर्याप्त स्टॉक, निर्बाध आपूर्ति जारी: प्रशासन सतर्क

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। जिले में पेट्रोल एवं डीजल की उपलब्धता को लेकर किसी भी प्रकार की कमी नहीं है। सभी पेट्रोल पंपों पर पर्याप्त स्टॉक मौजूद है तथा डिपो से नियमित रूप से आपूर्ति जारी है। जिला प्रशासन द्वारा स्थिति पर सतत निगरानी रखी जा रही है, जिससे आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो। कलेक्टर श्री आशीष तिवारी के निर्देश पर बुधवार को जिलेभर में एसडीएम एवं खाद्य अधिकारियों द्वारा पेट्रोल पंपों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान स्टॉक की उपलब्धता, आपूर्ति व्यवस्था एवं प्रति लीटर दरों की भी जानकारी ली गई। एसडीएम बहोरीबंद राकेश चौरसिया ने क्षेत्र के श्याम फिलिंग स्टेशन, सोना पन्ना फिलिंग स्टेशन तथा सत्यसांई भारत गैस एजेंसी का निरीक्षण किया। यहां पेट्रोल एवं डीजल की पर्याप्त उपलब्धता पाई गई।

Manufacturer of t-shirts & lowers Mo. 9174614421, 9406763810
CHANDRAKALA TEXTILES
सभी प्रकार की टी-शर्ट ऑर्डर पर बनाई और प्रिंट की जाती हैं और स्पोर्ट्स सबलिमेसन जर्सी बनाई जाती हैं।
Address : shop no 151, jabalpur fashion design cluster market Lema garden Gohalpur jabalpur 482001

नवांकुर संस्थाओं का जिला स्तरीय प्रशिक्षण संपन्न

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा नवांकुर संस्थाओं का जिला स्तरीय सक्रियकरण बैठक सह प्रशिक्षण कार्यक्रम आज बुधवार को जिला पंचायत के सभाकक्ष में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में जिला पंचायत के प्रभारी अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं सहायक संचालक मत्स्योद्योग ने नवांकुर संस्थाओं के सदस्यों को मत्स्य पालन एवं पौध रोपण पर व्यावहारिक जानकारी दी। जन अभियान परिषद के संभाग समन्वयक रवि बर्मन ने नवांकुर संस्थाओं को अपने सेक्टर में रोपणी तैयार करने तथा जल गंगा अभियान अंतर्गत कार्य करने के निर्देश दिये। परिषद के जिला समन्वयक घनश्याम रायपुरिया ने जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत आयोजित की जाने वाली गतिविधियों पर चर्चा की। प्रशिक्षण का समापन पर नवांकुर संस्थाओं के सदस्यों को जवाहर लाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय का भ्रमण कराया गया, जहाँ विश्वविद्यालय के वानिकी विभाग के वैज्ञानिकों ने रोपणी की स्थापना पर प्रशिक्षण प्रदान किया।

जबलपुर में फेसलेस रजिस्ट्री व्यवस्था लागू अब घर बैठे होगी संपत्ति पंजीयन प्रक्रिया

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। जिले में संपत्ति पंजीयन प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और पूरी तरह डिजिटल बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए फेसलेस रजिस्ट्री व्यवस्था लागू कर दी गई है। जिला प्रशासन ने इसे राजस्व व्यवस्था में महत्वपूर्ण नवाचार बताते हुए पेपरलेस प्रणाली की ओर निर्णायक पहल बताया है। जिला कलेक्टर राघवेंद्र सिंह द्वारा 13 मार्च को जारी आदेश के तहत मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार संपदा 2.0 सॉफ्टवेयर के माध्यम से इस नई व्यवस्था को प्रभावी रूप से लागू किया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य पंजीयन प्रक्रिया को आसान, जवाबदेह और तकनीकी रूप से सशक्त बनाना है। नई व्यवस्था लागू होने के बाद अब नागरिकों को रजिस्ट्री कराने के लिए पंजीयन कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने की आवश्यकता नहीं होगी। आवेदक घर बैठे ऑनलाइन माध्यम से अपने दस्तावेजों का पंजीयन करा सकेंगे। इससे लोगों के समय की बचत होगी और कार्यालयों में लगने वाली लंबी कतारों से भी राहत मिलेगी। प्रशासन के अनुसार फेसलेस प्रणाली से न केवल कामकाज में तेजी आएगी, बल्कि मानवीय हस्तक्षेप कम होने से पारदर्शिता भी बढ़ेगी। इससे भ्रष्टाचार की संभावनाओं पर प्रभावी नियंत्रण लगेगा और आम नागरिकों को सीधे लाभ मिलेगा। कलेक्ट्रेट द्वारा जारी निर्देशों में स्पष्ट किया गया है कि अब सेल डीड, लीज डीड सहित अन्य प्रमुख अनुबंधों का पंजीयन अनिवार्य रूप से फेसलेस मोड में ही किया जाएगा। विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि वे केवल इसी प्रणाली के तहत तैयार दस्तावेजों को ही स्वीकार करें। जिला प्रशासन का मानना है कि यह पहल डिजिटल इंडिया के लक्ष्य को मजबूती देगी और सरकारी सेवाओं को अधिक सुलभ, पारदर्शी और आधुनिक बनाएगी।

भांजे के पुराने विवाद में मामा पर हमला, गर्दन पर नुकीले हथियार से वार

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। हनुमानताल थाना क्षेत्र में पुराने विवाद को लेकर एक व्यक्ति पर जानलेवा हमला किए जाने का मामला सामने आया है। भांजे से हुए झगड़े की रंजिश में आरोपी ने मामा को निशाना बनाते हुए उस पर नुकीले हथियार से हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस के अनुसार कसाई मंडी दारूल उलूम के पीछे रहने वाला राशिद अंसारी, जो पेशे से ऑटो चालक है, मंगलवार दोपहर करीब ढाई बजे अपने घर के सामने टहल रहा था। इसी दौरान क्षेत्र का रहने वाला चिन्टू उर्फ इस्लाम वहां पहुंचा और राशिद के भांजे सोहेल से हुए पुराने विवाद को लेकर उससे गाली-गलौज करने लगा। राशिद द्वारा विरोध करने पर आरोपी ने अचानक आक्रामक होकर किसी नुकीली वस्तु से उसकी गर्दन पर हमला कर दिया। हमले में राशिद को गंभीर चोट आई। वहीं बीच-बचाव करने के दौरान उसके हाथ में भी चोटें आई हैं। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया और जाते-जाते जान से मारने की धमकी भी दी। घायल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हनुमानताल पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। इलाके में हुई इस घटना से लोगों में दहशत का माहौल है।

हाईवे पर रेट कार्ड राज: वर्दी, वसूली और खामोश सिस्टम की कहानी

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। खबर छोटी है...4500 रुपये की रिश्वत। लेकिन सवाल बड़ा है...क्या वाकई सिर्फ 4500 रुपये? नागपुर-जबलपुर हाईवे पर बरगी के पास लोकायुक्त ने फ्लड विभाग की आरक्षक श्वेता अहिरवार और उसके सहयोगी मोहित साहू को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। खबर यहीं खत्म हो सकती थी। लेकिन यहीं से शुरू होती है असली कहानी।

जरा ठहरकर सोचिए...

एक गाड़ी गुजरती है। उसे रोका जाता है। कागज बाद में देखे जाते हैं, पहले तय होती है रकम। शिकायतकर्ता प्रशांत दत्तात्रेय जाधव और चालक जय सिंह यादव बताते हैं...25 मार्च 2026 को उनका वाहन (DD01P09764) बरगी से गुजर रहा था। रास्ता वही था... लेकिन नियम अलग थे। नियम यह कि... 4500 रुपये दीजिए... और आगे बढ़ जाइए। यह चेकिंग नहीं, एक व्यवस्था है हम अक्सर इसे एक घटना मान लेते हैं। लेकिन यह घटना नहीं है... यह एक पैटर्न है। हाईवे पर चलने वाले ड्राइवर जानते हैं... कहां कितनी रकम देनी है, किस चौकी पर कौन मिलेगा, और कैसे सेटिंग होगी। यानी कानून अब किताबों में है... और सड़क पर रेट कार्ड। लोकायुक्त आया... और एक सीन खत्म हुआ लोकायुक्त ने जाल बिछाया। रकम दी गई। गिरफ्तारी हुई। निरीक्षक राहुल गजभिए, शशि मर्सकोले, बृजमोहन सिंह नरवरिया, जीतेंद्र यादव और उनकी टीम ने अपना काम किया। एक सीन खत्म हुआ। लेकिन क्या कहानी खत्म हुई? सवाल, जो खबर के बाद भी बचा रहता है क्या यह सिर्फ दो लोगों का मामला है? क्या यह वसूली बिना किसी ऊपर की जानकारी के चल सकती है? या फिर... यह एक ऐसा नेटवर्क है, जिसमें हर स्तर पर चुप्पी की अपनी कीमत तय है? आपने नोटिस किया होगा... हर बार ऐसा होता है... एक ट्रैप, एक गिरफ्तारी, कुछ दिन की सुर्खियां। फिर सब सामान्य। फिर वही हाईवे, वही गाड़ियां... और शायद वही वसूली। तो क्या हम खबर पढ़कर आगे बढ़ जाते हैं? या कभी यह भी सोचते हैं कि... यह सिस्टम बदल क्यों नहीं रहा? हाईवे: सफर का रास्ता या सौदेबाजी की जगह? जो सड़कें विकास का प्रतीक होनी चाहिए थीं, वहां अब लेन-देन का एक समानांतर सिस्टम चल रहा है। ड्राइवर के लिए यह सिर्फ दूरी तय करने का मामला नहीं... यह हर चेकपोस्ट पर कितना देना है का हिसाब भी है। अब एक सीधा सवाल 4500 रुपये की यह कहानी क्या सच में सिर्फ 4500 रुपये की है? या यह उस खामोश सिस्टम की कहानी है, जहां हर कोई जानता है कि क्या हो रहा है... लेकिन बोलता कोई नहीं।

मुहम्मद अनवार बाबू

ताला तोड़कर मकान पर कब्जा, मालिक को दी जान से मारने की धमकी, मामला दर्ज

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। शहर के अधारताल थाना क्षेत्र में एक मकान का ताला तोड़कर जबरन कब्जा करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोप है कि कुछ लोगों ने रात के समय मकान में घुसकर कब्जा कर लिया और जब मकान मालिक वहां पहुंचा तो उसे धमकाते हुए खुद को मालिक बताने लगे। पुलिस के अनुसार दुर्गानगर अधारताल निवासी 33 वर्षीय जकी असरफ, जो बड़ोदरा फार्मा कंपनी में कार्यरत हैं, ने आयशानगर स्थित अपना मकान किराये पर असलम खान को 3 हजार रुपये प्रतिमाह पर दिया था। असलम 8 मार्च 2026 से उक्त मकान में रह रहा था। घटना का खुलासा तब हुआ जब 23 मार्च की सुबह जकी असरफ के भाई इकबाल ने फोन कर जानकारी दी कि 22 मार्च की रात करीब 9:30 बजे अफजल, शाहिद और दो अन्य महिलाएं मकान का ताला तोड़कर अंदर घुस गईं और वहीं रहने लगीं। सूचना मिलने पर जकी असरफ अपने भाइयों वकार और असरफ के साथ मौके पर पहुंचे। मौके पर पहुंचने पर उन्होंने देखा कि मकान का ताला टूटा हुआ है और आरोपी अंदर मौजूद हैं।

शारदा मंदिर बरेला में उमड़ रही भक्तों की भीड़

दैनिक रेवांचल टाईम्स, जबलपुर। शारदा मंदिर बरेला में चैत्र नवरात्रि प्रारंभ होते ही मंदिर में श्रद्धालुओं को देखते हुए संपूर्ण व्यवस्था जैसे शुद्ध पेयजल लाइट की व्यवस्था रास्ते में श्रद्धालुओं को छाया के लिए सेट की व्यवस्था का शारदा मंदिर व्यवस्थापक पंडित आशीष शुक्ला अभय शुक्ला एवं परिवार के द्वारा श्रद्धालुओं को ध्यान मैं रखते हुए की गई है । नवरात्रि में दर्शन करने का समय सुबह 5:00 से रात्रि 12:00 तक पट खुले रहेंगे। सभी श्रद्धालु भक्तों माता रानी के दर्शनों का लाभ उठा सकते हैं नवरात्रि के दौरान मंदिर तक कोई भी गाड़ी ले जाना सख्त मना है वह अपनी गाड़ी नीचे खड़ी कर पैदल जाकर मां शारदा का पूजन कर सकते हैं। व्यवस्थापको द्वारा सभी श्रद्धालु भक्तों से सहयोग की अपील की है।

तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से साड़ी बेचने वाली दो महिलाएं घायल, आरोपी चालक पर मामला दर्ज

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। शहर के गोरखपुर थाना क्षेत्र में लापरवाह बाइक चालक की टक्कर से फेरी लगाकर साड़ी बेचने वाली दो महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं। हादसा कृपाल चौक के पास हुआ, जहां पीछे से आई तेज रफ्तार मोटरसाइकिल ने दोनों को जोरदार टक्कर मार दी। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार शबाना और सरोज बाई पारस क्षेत्र में फेरी लगाकर साड़ी बेचने का काम करती हैं। मंगलवार को दोनों महिलाएं कृपाल चौक के पास जा रही थीं, तभी मोटरसाइकिल क्रमांक एमपी 20 जेडसी 3986 के चालक ने लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए उन्हें पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों महिलाएं सड़क पर गिर पड़ीं और उनके हाथ, पैर व शरीर में गंभीर चोटें आईं। घटना के समय पीछे चल रहे शबाना के बहनोई असरफ ने तुरंत मौके पर पहुंचकर दोनों घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका उपचार जारी है। डॉक्टरों के अनुसार दोनों की हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है। सूचना मिलते ही गोरखपुर थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की और आरोपी बाइक चालक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 281 और 125(ए) के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि आरोपी की पहचान कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

गाड़ी खड़ी करने के मामूली विवाद ने लिया हिंसक रूप, कबाड़ी पर डंडे से हमला, गंभीर रूप से घायल

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। शहर के हनुमानताल थाना क्षेत्र में गाड़ी खड़ी करने को लेकर शुरू हुआ एक मामूली विवाद अचानक हिंसक झड़प में बदल गया, जिसमें एक कबाड़ी पर डंडे से हमला कर दिया गया। इस घटना में पीड़ित के चेहरे और पैर में गंभीर चोटें आई हैं। घटना ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि छोटी-छोटी बातों पर बढ़ती आक्रामकता किस तरह लोगों की जान पर बन रही है। पुलिस के अनुसार बाबाटोला ठक्कर ग्राम निवासी कल्लू मंसूरी, जो कबाड़ी का काम करता है, मंगलवार दोपहर लगभग 1 बजे अपने साथी गुड्डू उर्फ नईम के साथ हड्डी गोदाम क्षेत्र स्थित बादशाह मिठाई दुकान के पास चाय पीने पहुंचा था। इस दौरान उसने अपनी गाड़ी पास ही एक मकान के सामने खड़ी कर दी, जो स्थानीय निवासी कलाम का घर बताया जा रहा है। बताया जाता है कि कलाम ने गाड़ी हटाने को कहा, जिस पर दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद बढ़ता चला गया और गुस्से में आकर कलाम ने डंडा उठाकर कल्लू मंसूरी पर हमला कर दिया। हमले में कल्लू की आंख के नीचे गंभीर चोट आई, वहीं उसके पैर में भी चोटें दर्ज की गईं हैं। घटना के दौरान आसपास मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने बीच-बचाव कर किसी तरह स्थिति को संभाला और घायल को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टरों के अनुसार पीड़ित की हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है, लेकिन उसे गहरी चोटें आई हैं। घटना की सूचना मिलते ही हनुमानताल पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि क्षेत्र में आए दिन छोटी-छोटी बातों पर विवाद बढ़कर मारपीट में बदल रहे हैं, जिससे लोगों में भय का माहौल बनता जा रहा है।

सम्राट अशोक जयंती पर...इतिहास के पन्नों से उठती एक आवाज

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। इतिहास अक्सर विजेताओं के नाम से लिखा जाता है... लेकिन कभी-कभी इतिहास खुद ठहरकर पूछता है...विजय किसकी थी? तलवार की... या विचार की? मौर्य वंश के उस युवा राजकुमार को याद कीजिए...अशोक। उम्र कम थी, लेकिन सत्ता की समझ असाधारण। जब बिंदुसार ने उसे उज्जैनी भेजा, तो वह सिर्फ विद्रोह दबाने नहीं गया था... वह सीखने गया था...राज्य चलाने की असली राजनीति। उज्जैनी में उसने तलवार से पहले कारणों को समझा। विद्रोह क्यों हुआ? असंतोष कहाँ है? और फिर समाधान...सलाहकारों के साथ बैठकर, संवाद के जरिए। यही प्रशासन की पहली पाठशाला थी। तक्षशिला में भी कहानी कुछ अलग नहीं थी। वहाँ भी अशांति थी, और वहाँ भी अशोक को भेजा गया। और हर बार, एक नया अशोक सामने आया...जो सिर्फ युद्ध नहीं करता, बल्कि व्यवस्था को समझता है। लेकिन सत्ता का रास्ता इतना सरल नहीं होता। बिंदुसार की मृत्यु के बाद, मगध में सत्ता संघर्ष शुरू हुआ। चार साल... पूरे चार साल लगे अशोक को अपने ही घर की आग बुझाने में। तब जाकर उसका राज्याभिषेक हुआ। यह वही चार साल हैं, जो बताते हैं...सिंहासन सिर्फ विरासत से नहीं मिलता, उसे स्थिर भी करना पड़ता है। राज्य संभालते ही अशोक ने प्रशासनिक ढांचा बदला। राज्यपालों की नियुक्तियाँ, केंद्रीकरण, और फिर एक नजर...दक्षिण की ओर। एक राज्य था...कलिंग...जो स्वतंत्र था, और शक्तिशाली भी। कलिंग सिर्फ एक भूभाग नहीं था... वह व्यापार का द्वार था, समुद्र से जुड़ा हुआ। अशोक ने पहले संधि भेजी...कूटनीति। लेकिन जब इनकार हुआ, तब युद्ध हुआ। और यही वह क्षण है, जहाँ इतिहास करवट लेता है। कलिंग का युद्ध...सिर्फ एक युद्ध नहीं था। वह एक आईना था। हजारों सैनिक मारे गए, परिवार उजड़ गए। विजय अशोक की हुई... लेकिन यह विजय भीतर से खाली थी। यहीं प्रवेश होता है एक युवा भिक्षु का...न्यग्रोध। वह घायल सैनिकों को पानी पिला रहा था। युद्ध के नियमों के खिलाफ। जब उसे अशोक के सामने लाया गया, तो उसने जो कहा... वह किसी भी विजेता के लिए असहज कर देने वाला था... यदि आप जीवन नहीं दे सकते... तो लेने का अधिकार भी किसने दिया? और फिर उसने वह वाक्य कहा, जो आज भी गूंजता है... बैर से बैर शांत नहीं होता... अबैर से ही बैर शांत होता है। यह सिर्फ एक उपदेश नहीं था... यह सत्ता के अहंकार पर सीधा प्रहार था। अशोक के भीतर कुछ बदला। वह जो पहले आजीवक परंपरा का अनुयायी था, अब बुद्ध के विचारों की ओर झुकने लगा। न्यग्रोध ने उसे अपने गुरु...मोग्गलिपुत्त तिष्य...से मिलवाया। और फिर वह दिन आया...विजयदशमी। अशोक ने अपने अस्त्र-शस्त्र त्याग दिए। यह पराजय नहीं थी... यह एक नए सम्राट का जन्म था। अब वह सिर्फ राज्य नहीं जीतना चाहता था... वह दिल जीतना चाहता था। धम्म घोष...यह उसका नया शस्त्र था। बिना युद्ध के, उसने अपने साम्राज्य को फैलाया। सीरिया तक प्रभाव, श्रीलंका तक धर्म प्रचार। अपने पुत्र महेंद्र और पुत्री संघमित्रा को भेजा...एक बोधि वृक्ष की शाखा के साथ। यह सिर्फ धर्म का प्रसार नहीं था... यह विचार का विस्तार था। तीसरी बौद्ध संगति के बाद, अशोक ने भिक्षुओं के दल बनाकर दसों दिशाओं में भेजे। गंधार, यवन, हिमालय, स्वर्णभूमि...हर दिशा में एक संदेश गया...मानवता सबसे बड़ा धर्म है। आज जब हम सम्राट अशोक जयंती मनाते हैं, तो सवाल सिर्फ श्रद्धांजलि का नहीं है... सवाल यह है...क्या हम उस परिवर्तन को समझते हैं? एक राजा, जिसने युद्ध जीता... लेकिन फिर युद्ध छोड़ दिया। एक सम्राट, जिसने साम्राज्य बनाया... लेकिन अंततः मनुष्यता को चुना। इतिहास में ऐसे क्षण कम होते हैं, जब सत्ता खुद को बदलती है। अशोक वही क्षण है। देवानांप्रिय पियदसी सम्राट अशोक को नमन।

लेखक डोमा राव खातरकर

ललितपुर सिंगरौली नई रेल लाइन पर 120 किमी/घंटा की स्पीड ट्रायल सफल, जल्द मिलेगी यात्री सुविधा

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। पश्चिम मध्य रेलवे के अंतर्गत ललितपुरझसिंगरौली नई रेल लाइन परियोजना में एक महत्वपूर्ण प्रगति दर्ज की गई है। नागौदझलवारे खंड पर मंगलवार को रेल संरक्षा आयुक्त (सीआरएस) द्वारा गहन निरीक्षण के बाद 120 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से सफल स्पीड ट्रायल किया गया। मध्य/पूर्व वृत्त (मुंबई) के रेल संरक्षा आयुक्त गुरुप्रसाद ने 24 मार्च को नागौद से फूलवारी के बीच लगभग 15 किलोमीटर लंबे नए रेल ट्रैक का करीब पांच घंटे तक बारीकी से निरीक्षण किया। इस दौरान ट्रैक की गुणवत्ता, पॉइंट्स व क्रॉसिंग, ब्रिज संरचनाएं, गर्डर स्पैन, स्लीपर, बैलेस्ट, ग्लू जॉइंट, ओएचई लाइन, समपार फाटक और स्टेशन यार्ड सहित सुरक्षा से जुड़े विभिन्न तकनीकी पहलुओं की गहन जांच की गई। निरीक्षण के उपरांत सीआरएस ने फूलवारी से नागौद तक पूरे सेक्शन में अधिकतम 120 किमी/घंटा की गति से इंजन दौड़ाकर सफल स्पीड ट्रायल भी लिया। इस दौरान मुख्यालय और निर्माण से जुड़े कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। जबलपुर रेल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक कमल कुमार तलरेजा सहित वाणिज्य, संरक्षा और परिचालन विभाग के अधिकारी भी निरीक्षण के समय उपस्थित रहे। स्पीड ट्रायल के सफल होने से क्षेत्रीय लोगों में खासा उत्साह देखा गया। स्थानीय नागरिकों को अब इस रूट पर जल्द रेल सुविधा मिलने की उम्मीद जगी है। मंडल रेल प्रबंधक ने बताया कि यह नया रेल लाइन खंड शीघ्र ही यात्रियों के लिए शुरू किया जाएगा, जिससे क्षेत्रीय कनेक्टिविटी मजबूत होगी और आवागमन के लिए सुरक्षित व बेहतर विकल्प उपलब्ध हो सकेगा।

म.प्र. राज्य अधिवक्ता परिषद के आगामी चुनाव वर्ष 2026 में सदस्य पद हेतु आपकी
प्रथम वरीयता मत का आकांक्षी
गोपाल सिंह बघेल (अधिवक्ता)
म.प्र. उच्चन्यायालय जबलपुर (म.प्र.)
पता - हॉल नं 3 सीट नं 7 विधि भवन, म.प्र. उच्चन्यायालय जबलपुर (म.प्र.)
कार्यालय-निवास
कृष्णा कॉलोनी के पास राज परिसर सुहागी, जबलपुर (म.प्र.)
Mob.: 9229653295, 8989141208, 7987512717

V-eServices
CSC Service Provider
Vineet Sen 7724012477
Online Form: MP POLICE, MPPSC, UPSC, SSC, RAILWAY, BANK, COLLEGE, RTE SCHOOL, INDIAN ARMY, INDIAN NAVY, NDA, NEET
Document: जीएसटी, पासपोर्ट, ITR Returns, पैन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, समग्र आईडी, श्रमिक कार्ड, ड्राईविंग लाईसेंस, रोजगार पंजियन, उद्योग आधार, स्कॉलरशिप फार्म
E-CARD: WEDDING INVITATION, VIDEO, BANNER DESIGN, VISITING CARD, BIRTH DAY INVITATION, INAUGURATION, OTHER E-CARD
Quick Job Apply
बार कोड स्कैन कर, व्हाट्सएप चैनल से जुड़े
सरकारी एवं प्रायवेट जॉब के नोटिफिकेशन पाने के लिए व्हाटसएप चैनल Quick Job Apply से जुड़ें। जहां आपको प्रतिदिन जॉब के नोटिफिकेशन प्राप्त होंगे।
जॉब नोटिफिकेशन और फार्म अप्लाई करने का सबसे विश्वसनीय प्लेटफार्म
व्हाट्सएप के माध्यम से घर बैठे ही फार्म भरवायें और समय बचायें।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, मुकेश कुमार श्रीवास द्वारा माँ रेवा पब्लिकेशन एन्ड प्रिंटर्स लक्ष्मीपुर मुस्कान प्लाजा के पीछे विवेकानंद वार्ड एम आर 4 रोड़ जबलपुर म.प्र. 482001 से मुद्रित तथा लक्ष्मीपुर मुस्कान प्लाजा के पीछे एम आर 4 रोड 21 स्वामी विवेकानंद वार्ड जबलपुर म.प्र. 482001 से प्रकाशित । संपादकः अतुल कुमार बंदेवार RNI. Reg. No MPHIN/2023/90965 (समस्त विवादों का न्यायालयीन क्षेत्र जबलपुर) Email:- revanchaljabalpur@gmail.com मोब. 7509202320, 9406771592